



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினமணி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 हिमंत 'सबसे बड़ा मुख्यमंत्री': राहुल गांधी

6 एआई का उदय, इंसानों का पतन

7 सुबह सही तो सब सही : सामंथा रथ प्रभु

फास्ट टेक

निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु के लिए नए डीजीपी की नियुक्ति की चेन्नई/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संदीप राय राठौर को तमिलनाडु का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया। यह प्रभारी डीजीपी और पुलिस बल प्रमुख जी वेंकटरमन का स्थान लेंगे। शंकर जीवाल की सेवानिवृत्ति के बाद से वेंकटरमन सितंबर 2025 से तमिलनाडु के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक और पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। वर्ष 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी राठौर को राज्य में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नया डीजीपी और पुलिस बल प्रमुख नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे चेन्नई में डीजीपी प्रशिक्षण थे।

रिजर्व बैंक के कदमों से रुपया 156 पैसे मजबूत होकर 93.14 प्रति डॉलर पर मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कड़े कदमों के बाद बृहस्पतिवार को रुपए में कई वर्षों की सबसे बड़ी एकदिवसीय तेजी दर्ज की गई और यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 156 पैसे मजबूत होकर 93.14 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.62 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान 188 पैसे चढ़कर 92.82 के उच्चतर तक पहुंच गया। हालांकि, सत्र के अंत में यह 156 पैसे यानी 1.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 93.14 प्रति डॉलर पर रहा। इससे पहले, रुपया सोमवार को 95 के स्तर के पार चला गया था। शुक्रवार को यह 94.84 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि, उसके बाद आरबीआई की तरफ से उठाए गए कई कदमों ने इसे समर्थन दिया।

एयरटेल बना दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा मोबाइल सेवा प्रदाता
नई दिल्ली/भाषा। भारतीय एयरटेल 65 करोड़ शाहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने जीएसएमए के आंकड़ों का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ग्लोबल सिरटेल फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) दुनिया भर के मोबाइल संचालकों और संबन्धित कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रमुख संगठन है। कंपनी बयान के अनुसार, 'जीएसएमए इंटेलेजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारतीय एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है।

'नागरिक प्रथम' मंत्र को अपनाने की आवश्यकता : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के लिए तेजी से बदलते समय के साथ शासन व्यवस्था को लगातार अद्यतन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश के प्रशासन का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भवः' है और सार्वजनिक सेवा को नागरिकों की जरूरतों के प्रति अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाने के लिए पुनर्गठित किया जा रहा है। मोदी ने 'साधना सप्ताह' कार्यक्रम की शुरुआत पर एक वीडियो संदेश में कहा, "शासन को अब सही मायने में नागरिक-केंद्रित बनाकर एक नई पहचान दी जा रही है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों के जीवन की सुगमता और गुणवत्ता में सुधार के लिए शासन व्यवस्था ही मानदंड



हमारी शासन व्यवस्था यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो। यही हमारा सच्चा मानदंड है।

होनी चाहिए और उन्होंने लोक सेवकों से प्रतिदिन कुछ नया सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हमारी शासन व्यवस्था यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो। यही हमारा सच्चा मानदंड है।" प्रशासनिक संस्कृति में बुनियादी बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने

तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्थाओं के बीच भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और उसे अपनी शासन प्रणाली को लगातार अद्यतन करते रहना होगा। लोकसेवकों को यह याद दिलाते हुए कि आम नागरिक के लिए स्थानीय सरकारी दफ्तर ही पूरे शासन का चेहरा होता है, मोदी ने कहा कि अधिकारियों की कार्यशैली और व्यवहार लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को सीधे प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा, "हम जो भी करें, जिस भी स्तर पर करें, हमें उस विश्वास की रक्षा करनी चाहिए; यही हमारे लोकतंत्र की नींव है।" भारत की संघीय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि देश की सफलता उसके सभी राज्यों की सामूहिक सफलता है। उन्होंने "अग्रणी राज्य", "पिछड़े राज्य" और "बीमारू राज्य" जैसी पुरानी श्रेणियों को समाप्त करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पाकिस्तान कोई भी 'दुस्साहस' करता है तो हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की 'दुस्साहसिक हरकत' का जवाब 'अभूतपूर्व' और 'निर्णायक' कार्रवाई से दिया जाएगा।



'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है।

चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में पहलगाय आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा कि पहलगाय हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकीवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था। सिंह ने कहा, "मैं आपको बताना चाहता हूँ कि अभियान अभी

खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी धिनीनी हरकतें कीं, तो हमारी सेना उन्हें ऐसा मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। इस बार जो होगा वह अभूतपूर्व होगा।" सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात में 'हमारा पड़ोसी (पाकिस्तान) कोई भी दुस्साहस कर सकता है।' उन्होंने कहा, "अगर वह ऐसा करता है, तो जैसा मैंने आपको

बतया, भारत की कार्यवाही अभूतपूर्व और निर्णायक होगी।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है और सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह बात 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाय आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह अभियान चलाया था।

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों के कारण क्षेत्र में ऊर्जा अस्थिरता उत्पन्न हुई है : नौसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल डी के त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण क्षेत्र में गंभीर आर्थिक प्रभाव और ऊर्जा अस्थिरता उत्पन्न हुई है। अपतटीय गश्ती पोत आईएनएस 'सुनयना' के मुंबई तट से प्रस्थान करने से संबंधित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि समुद्री प्रतिस्पर्धा अब केवल तेल और ऊर्जा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका दायरा उन संसाधनों तक फैल रहा है जो



भविष्य के विकास को आकार देंगे। पश्चिम एशिया में संघर्ष के पांचवें सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों ने क्षेत्र में गंभीर आर्थिक प्रभाव और ऊर्जा अस्थिरता पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि समुद्री सर्वेक्षण और समुद्र में अनुसंधान गतिविधियों में काफी वृद्धि हुई है।

जन विश्वास विधेयक को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। देश के कारोबारी माहौल को और बेहतर बनाने के लिए छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने के वारंटे 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव करने वाले जन विश्वास विधेयक को बृहस्पतिवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा में विधेयक पर हुई चर्चा का वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा जवाब देने के बाद 'जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक 2026' को ध्वनित से पारित कर दिया गया। लोकसभा में यह विधेयक एक दिन पहले पारित हुआ था। गोयल ने कहा कि जन विश्वास विधेयक का उद्देश्य भरोसे की एक संस्कृति बनाना है और 'विश्वास की संस्कृति' भय के आधार पर नहीं, बल्कि विश्वास के आधार पर बनेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित कानून को इसी सोच के साथ लाया जा रहा है कि विश्वास के साथ विकसित भारत बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून में सबसे बड़ा यह प्रावधान किया गया है कि यह 'आपको सुधरने का मौका देता है।'

भाजपा किसी धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं विविधता में एकता ही हमारी विशेषता : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा किसी भी जाति, धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं है और विविधता में एकता ही हमारी विशेषता है। असम के पलाशबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विशिष्ट धर्म के लोगों को मतदान का अधिकार देने में दी गई छूट संविधान के मार्गदर्शन के अनुसार है। गडकरी ने कहा, भाजपा किसी जाति, क्षेत्र, धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं है। विविधता में एकता ही हमारा मूलमंत्र है। लेकिन जो विदेशी नागरिक आते हैं, क्या उन्हें मतदान का अधिकार दिया जाना चाहिए? फिर आप सबका क्या होगा?



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि संविधान इस संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करता है क्योंकि सिख, हिंदू, बौद्ध, जैन निर्वासित हैं और उनका कोई दूसरा देश नहीं है। यह स्पष्ट रूप से संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के तहत पड़ोसी देशों से उत्पीड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों को दी गई नागरिकता का जिक्र कर रहे थे। गडकरी ने कहा कि मतदान का अधिकार हालांकि अन्य विदेशियों को नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले एक दशक में असम को पूरी तरह से बदल दिया है, और सत्ता में वापस आने पर और भी तेज प्रगति का वादा किया। असम में विधानसभा चुनाव नौ अप्रैल को होंगे। मतगणना चार मई को होगी।

अमेरिका में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है भारत : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने उत्पादों के लिए अमेरिका में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध बहुत मजबूत हैं और प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार तथा निवेश जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी है। गोयल ने संवाददाताओं से कहा, "हमारे संबंध बहुत मजबूत हैं। प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार व निवेश सहित कई क्षेत्रों में हमारी गहरी रणनीतिक साझेदारी है। हमारा मानना है कि भारत को तरजीही बाजार पहुंच मिलनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ भारत का व्यापार सम्बन्धता बेहतर स्थिति में है। अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ाने के मामले में भारत बेहद अग्रणी स्थिति में है। मंत्री ने कहा, "दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के कारण भारत निवेशकों के लिए बड़े अवसर प्रदान करता है और भविष्य में अधिक संख्या में एवं अधिक मूल्य के साथ निवेशक भारत की ओर आकर्षित होंगे।"

03-04-2026 04-04-2026
सूर्योदय 6:20 बजे सूर्यास्त 6:03 बजे

BSE 73,319.55 (+185.23)
NSE 22,713.10 (+33.70)

सोना 15,338 रु. (24 केर) प्रति ग्राम
चांदी 241,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com

केलाशा मण्डेला, नो. 9828233434

डिजिटल एंकर

चैनल पर पैनल वालों से, एंकर की भाषा तू तड़का। किससे सुनना या ना सुनना, इस पर वे रहते हैं अड़का। पूर्वाग्रह रखते मुझे पर, भाषा संभाषण में भड़का। उनके मत से यदि हुए भिन्न, बन जाते वे तगड़े लड़का।

हनुमान जयंती

गुरुवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित शोभायात्रा में भगवान हनुमान के रूप में सजा एक व्यक्ति भाग लेते हुए।

किसी भी हमले पर पाकिस्तान का जवाब 'त्वरित और निर्णायक' होगा : ख्वाजा आसिफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि किसी भी हमले के जवाब में उनका देश 'त्वरित और निर्णायक' कार्रवाई करेगा। आसिफ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान की पुष्टि में 'एक्स' पर यह टिप्पणी की। सिंह ने कहा है कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की 'दुस्साहसिक हरकत' का जवाब 'अभूतपूर्व' और 'निर्णायक' कार्रवाई से दिया



पर मजबूर कर दिया और यह आतंकीवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था। आसिफ ने कहा, "बार-बार दोहराई जाने वाली बयानबाजी ताकत नहीं, बल्कि पहलगाय हमले की बरसी नजदीक आने के साथ स्पष्ट रणनीतिक बेचैनी को दर्शाती है।" पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा, "इस तरह की धमकियां देना कोई नयी बात नहीं है। यह एक अनुमानित पैटर्न का हिस्सा है—आंतरिक कमजोरी को बाहरी रूप देना, और निहित राजनीतिक हितों के लिए निराधार आरोपों की आड़ में तनाव बढ़ाने का प्रयास करना।"

ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों पर मिसाइल हमले किए



दुबई/एपी। ईरान ने बृहस्पतिवार को इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर और मिसाइलें दागकर यह संकेत दिया कि वह फिलहाल हमले नहीं रोकेगा जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान से खतरा लगभग खत्म हो चुका है और युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा। पड़ोसी देशों पर ईरान के हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसके नियंत्रण से वैश्विक ऊर्जा

ईरान में जलद "काम खत्म करेगी" अमेरिकी सेना : ट्रंप

वॉशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में जलद ही "काम खत्म कर देगी क्योंकि मुख्य रणनीतिक उद्देश्य पूरे होने वाले हैं।" ट्रंप ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने के करीब एक महीने बाद राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में अपने इस कदम का बयान किया। अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर 28 फरवरी, 2026 को पहली बार हमला किया था जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्यवाही की और पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया।

पाकिस्तान अमेरिका-ईरान वार्ता की मेजबानी करने को तैयार : विदेश कार्यालय

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के व्यापक एवं स्थायी समाधान के लिए अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक वार्ता की मेजबानी और सुविधा प्रदान करना उसके लिए सम्मान की बात होगी। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अद्वानी की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस बयान के दो दिन बाद आयी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए "सार्थक और निर्णायक वार्ता" कराने के लिए तैयार है।



मुडलपाल्या में मनाई गई रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव

बेंगलूर/दक्षिण भारत। शहर के श्रीराम सेवा समिति मुडलपाल्या के सदस्यों ने गुरुवार को महावीर हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। सर्वप्रथम भगवान श्रीराम व हनुमानजी की तस्वीर के समक्ष दीप

प्रज्वलित कर आरती की गई। उसके बाद हजारों लोगों को पानका, पेयजल, छाछ व भात का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गोविन्दराजनगर क्षेत्र के रक्षण वैदिक के अध्यक्ष लोकेश गौड़ा, समाजसेवी

नेमाराम सेंगचा, चुमीलाल परिहार आदि ने सभी को रामनवमी व हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समिति के नरेंद्र गहलोत, दिलीप भायल, चेतन चोयल, प्रवीण गहलोत, नरेंद्र गहलोत आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

संस्कार शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



जयगच्छीय आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डा. पार्श्वचंद्रजी की प्रेरणा से संस्थापित जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन राजाजीनगर की ओर से स्थानिक भवन में पांच वर्ष से अविवाहित बच्चों के लिए जयमल पांच दिवसीय जैन संस्कार शिविर का शुभारंभ हुआ। मंडल की अध्यक्ष संतोष ललवानी, मंत्री संगीता बोहरा, कोषाध्यक्ष पायल मेहता आदि व्यवस्था संभाली। शिविर में 125 बच्चों की उपस्थिति थी।

डब्ल्यूटीओ बैठक में विकास के लिए निवेश सुगम बनाने के समझौते का भारत ने किया विरोध : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल में कैमरून में संपन्न विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बैठक में, भारत ने विकास के लिए निवेश सुगम बनाने के समझौते पर चीन के नेतृत्व वाले प्रस्ताव का विरोध करने में अकेले ही कदम उठाया। उन्होंने कहा कि 'सही बात के लिए अकेले खड़े रहना, दिखावे के लिए भीड़ में शामिल होने से बेहतर है।'

गोयल ने कहा, "कभी-कभी जीवन में अकेले चलना पड़ता है और इसीलिए मैंने डब्ल्यूटीओ में विकास के लिए निवेश सुविधा पर अपनी बातचीत महात्मा गांधी के दर्शन से शुरू की। उनका कहना है कि जब आप सही के लिए खड़े होते हैं, तो भीड़ में खड़े होकर अच्छा दिखने से बेहतर है अकेले खड़े रहना।" भारत के हितों और डब्ल्यूटीओ के बहुपक्षीय स्वरूप और सर्वसम्मति निर्माण के दृष्टिकोण की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। गोयल ने कहा, "यह महत्वपूर्ण है कि हम उन मुद्दों को डब्ल्यूटीओ समझौते में शामिल न होने दें जो डब्ल्यूटीओ को मिला जिम्मेवारी का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए भारत अपने सिद्धांतों और जो सही है उस पर कायम रहा।"

समझौते के अनुबंध चार में कुछ सदस्यों वाले व्यापार समझौते शामिल हैं जो अनिवार्य बहुपक्षीय समझौतों के विपरीत, केवल उन डब्ल्यूटीओ सदस्यों पर बाध्यकारी हैं जिन्होंने उन्हें स्वीकार किया है।

गोयल ने कहा, "कभी-कभी जीवन में अकेले चलना पड़ता है और इसीलिए मैंने डब्ल्यूटीओ में विकास के लिए निवेश सुविधा पर अपनी बातचीत महात्मा गांधी के दर्शन से शुरू की। उनका कहना है कि जब आप सही के लिए खड़े होते हैं, तो भीड़ में खड़े होकर अच्छा दिखने से बेहतर है अकेले खड़े रहना।" भारत के हितों और डब्ल्यूटीओ के बहुपक्षीय स्वरूप और सर्वसम्मति निर्माण के दृष्टिकोण की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। गोयल ने कहा, "यह महत्वपूर्ण है कि हम उन मुद्दों को डब्ल्यूटीओ समझौते में शामिल न होने दें जो डब्ल्यूटीओ को मिला जिम्मेवारी का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए भारत अपने सिद्धांतों और जो सही है उस पर कायम रहा।"

बीआरएस विधायक ने मच्छरदानी से बनी पोशाक पहनकर की प्रेसवार्ता



हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को उजागर करने के लिए विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक डी. सुधीर रेड्डी ने मच्छरदानी से बनी पोशाक पहनकर बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता को संबोधित किया। विधायक डी. सुधीर रेड्डी ने मच्छरों के प्रसार को रोकने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार पर हमला किया और शहर के प्रत्येक वार्ड के लिए कम से कम 10 'फॉगिंग मशीन' उपलब्ध कराने तथा कीटनाशकों के मैनुअल और ड्रोन से छिड़काव करने और तालाब व नालों आदि में मच्छरों का लावारि खाने वाली गंभीरिया मच्छली छोड़ने सहित अन्य उपाय करने की मांग की।

यहां एल बी नगर से बीआरएस विधायक सुधीर रेड्डी ने कहा, "मैं यह सवाल कर रहा हूँ कि क्या मच्छरों के खतरे को नियंत्रित करने में सक्षम न होने वाली सरकार को सत्ता में बने रहने का अधिकार है?" उन्होंने दावा किया कि विधानसभा परिसर में सुरक्षाकर्मियों ने मनमानी की और उन्हें विशेष रूप से तैयार पोशाक न पहनने को कहा, जबकि इस संबंध में कोई आदेश नहीं था। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने विरोध स्वरूप यह पोशाक पहनी थी।

यूपीआई ने मार्च में 22.64 अरब लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया: डीएफएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एकीकृत भुगतान व्यवस्था (यूपीआई) के जरिये होने वाले लेनदेन की संख्या मार्च महीने में 22.64 अरब के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। विभाग ने कहा, "यूपीआई के जरिये मार्च 2026 में 22.64 अरब लेनदेन हुए हैं। डिजिटल भुगतान को अपनाने और इस क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए भारत का धन्यवाद। आइए, लेनदेन का तरीका बदलने की इस यात्रा को जारी रखें!"

संख्या के लिहाज से इस महीने यह संख्या 18.3 अरब थी, जो 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। फरवरी में यूपीआई लेनदेन की संख्या

20.39 अरब थी। हाल ही में जारी आरबीआई के 'दो-स्तरीय सत्यापन' नियम का पालन करते हुए यूपीआई लेनदेन करना सुरक्षित होने के साथ उपयोग में भी आसान है। इसमें पहला सत्यापन बैंक से जुड़ा मोबाइल नंबर है जबकि दूसरा पहलू यूपीआई खाते का पिन है। इससे लेनदेन तेजी से होता है और अनधिकृत पहुंच से रोकथाम मिलती है। आज भारत में होने वाले कुल डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत है। इसका असर राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी है और इसकी वैश्विक स्तर पर वास्तविक समय में होने वाले डिजिटल भुगतान का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यूपीआई पहले से ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित आठ देशों में चालू है। फ्रांस में इसकी शुरुआत हो चुकी है और यह यूरोप में यूपीआई का पहला कदम है।



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



एनईपी 2020 को आकार देने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बनी विद्या भारती: धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि शैक्षिक संगठन विद्या भारती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 बनाने में सरकार की सहायता की है। नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में यहां विद्या भारती के एक कार्यक्रम में प्रधान ने कहा, विद्या भारती पूरे शिक्षा तंत्र में सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, लेकिन वह बहुत कीमती और महत्वपूर्ण है। प्रधान ने कहा कि वह पिछले पांच साल से शिक्षा विभाग से जुड़े

हुए हैं और जब भी पाठ्यपुस्तकों, पढ़ाई के माध्यम, भाषा या सामाजिक विकास से जुड़े निर्णय लिए गए, तब विद्या भारती एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु बना। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने एनईपी 2020 लागू किया और विद्या भारती इस मामले में एक प्रेरणास्रोत रही। उन्होंने कहा, विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि विद्या भारती राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रेरणास्रोतों में से एक रही है। विद्या भारती के मूल्यों, कौशल विकास और पढ़ाई के तरीकों को अब राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया गया है।

संसद का बजट सत्र बढ़ा, 16 अप्रैल को होगी अगली बैठक

नई दिल्ली/भाषा। महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए बृहस्पतिवार को संसद का वर्तमान बजट सत्र बढ़ा दिया गया और अब लोकसभा तथा राज्यसभा की अगली बैठक 16 अप्रैल को होगी। सूत्रों ने बताया कि दोनों सदन की तीन दिवसीय बैठक 16 से 18 अप्रैल के बीच हो सकती है। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, संसद का वर्तमान बजट सत्र बृहस्पतिवार को ही संपन्न होना था। सूत्रों के अनुसार, सरकार वर्तमान बजट सत्र में अगले तीन दिनों की कार्यवाही के दौरान महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन से जुड़ा विधेयक ला सकती है। सरकार ने कई दलों के साथ जिस मसौदे को लेकर मंथन किया है, उसके अनुसार महिला आरक्षण लागू करने के साथ ही लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 की जानी है और इनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को सूचित किया कि सदन की बैठक आज स्थगित होगी और जल्द ही "बहुत महत्वपूर्ण" विधेयक के लिए पुनः बैठक होगी। सरकार के फैसले और फिर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन से उसके अनुरोध के आधार पर दोनों सदन की बैठकें 16 अप्रैल तक स्थगित कर दी गईं।

बिरला ने लोकसभा में कहा, "मुझे संसदीय कार्य मंत्री की ओर से आज एक अनुरोध प्राप्त हुआ है। उसके अनुसार हम 16 अप्रैल को फिर मिलेंगे, उस समय आवश्यक सरकारी कामकाज होगा। उस समय प्रश्नकाल, शून्यकाल और कोई गैर-सरकारी कामकाज नहीं होगा।" इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक 16 अप्रैल पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन की बैठक 16 अप्रैल पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित की। इस बीच विपक्ष के कई नेताओं ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सरकार ने उन्हें सूचित किया है कि बजट सत्र में आगे 16 से 18 अप्रैल तक तीन बैठकें होंगी।

वैश्विक घटनाक्रम केंद्र के नियंत्रण से परे, जम्मू कश्मीर में जैरुरी चीजों की कमी नहीं : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केंद्र सरकार और जनता दोनों के नियंत्रण से बाहर हैं और जम्मू कश्मीर की स्थिति काफी हद तक देश की समग्र स्थिति को दर्शाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में फिलहाल ईंधन सहित आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है और अगले 10 से 15 दिनों के लिए पर्याप्त भंडार हैं। अब्दुल्ला अपने पिता और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के साथ पश्चिम एशिया संकट पर मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, देश के बाकी हिस्सों में जो भी स्थिति होगी, वही जम्मू कश्मीर में भी दिखेगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल चिंता का



कोई कारण नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि यदि जारी संघर्ष लंबा चलता है और देश के अन्य हिस्सों में कमी होती है तो इसका प्रभाव केंद्र शासित प्रदेश तक भी फैल सकता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई हालिया समीक्षा बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि यह आश्वासन दिया गया है कि कोई स्रोतों के माध्यम से आपूर्ति कायम रखी जा रही है। उन्होंने कहा, इस समय घबराने की कोई जरूरत नहीं है। अगर स्थिति में कोई बदलाव होता है तो हम जनता को सूचित करेंगे।

केरल में भाजपा की लहर दिख रही, लोग यूडीएफ-एलडीएफ से तंग आ चुके हैं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बृहत् स्तरीय कार्यक्रमों से कहा कि तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी को मिली सफलता नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिए बढ़ते समर्थन की लहर को दर्शाती है। मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुए संवाद में कहा कि यह स्पष्ट है कि इस बार केरल न केवल एक नई सरकार, बल्कि एक नई व्यवस्था भी चुनने जा रहा है। उन्होंने कहा, इस चुनाव में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लहर है। तिरुवनंतपुरम ने एक नई मिसाल कायम की है। अब तक वाम



दलों और कांग्रेस दलों का मानना था कि कुशासन या कुप्रबंधन की परवाह किए बिना वे बारी-बारी से सत्ता में आ सकते हैं। हालांकि, तिरुवनंतपुरम ने इस धारणा को चकनाचूर कर दिया है। मोदी ने कहा, नतीजतन, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) अब एक-दूसरे पर हमले करने के बजाय भाजपा को निशाना बना रहे हैं... लोग यूडीएफ और एलडीएफ द्वारा की जा रही लूट से तंग आ चुके हैं। संवाद में प्रधानमंत्री ने मोके पर खरा उतरने के महत्व को रेखांकित किया और इस बाबत केरल के

क्रिकेट खिलाड़ी संजू सैमसन का उदाहरण दिया। मोदी ने कहा, हम अक्सर संजू सैमसन के प्रदर्शन में यह देखते हैं। विश्व कप के दौरान, जब टूर्नामेंट अपने निर्णायक नॉकआउट चरणों में पहुंचा, तो उनका प्रदर्शन चरम पर था। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, आत्मविश्वास और जोश लगातार बढ़ता गया—जो एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। एक महान खिलाड़ी हमेशा तब बेहतरीन प्रदर्शन करता है, जब उसकी टीम को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। उन्होंने कहा, इसी तरह, मतदान के दिन हर परिवार से संपर्क स्थापित करने के हमारे प्रयास और भी मजबूत होने चाहिए। यही वह समय है, जब आपका समर्पण सबसे अधिक मायने रखता है। सफलता सुनिश्चित करने के लिए आपको अतिरिक्त समय देने की जरूरत पड़ सकती है।



नारा लोकेश ने लोकसभा में अमरावती विधेयक पारित होने पर प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देने वाले विधेयक के लोकसभा में पारित होने पर उन्हें धन्यवाद दिया। लोकेश ने कहा कि उन्होंने करोड़ों आंध्र प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद

दिया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मैंने संसद में अमरावती विधेयक पारित होने पर करोड़ों आंध्र प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया।" लोकेश ने कहा, "मैंने हमारे किसानों की अग्रधारण कहानी भी साझा की, जिन्होंने अमरावती के सपने को जीवित रखने के लिए अपार बलिदान दिए और वर्षों की अनिश्चितता के बावजूद दृढ़ता से उठे रहे।" विधेयक के कानून बन जाने के बाद, दो जून, 2024 से अमरावती आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी होगी।



वायु सेना के तेजस विमान दो महीने के ठहराव के बाद फिर से उड़ान के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायु सेना के तेजस हल्के लड़ाकू विमान अगले सप्ताह से उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। दो महीने पहले हवाई अड्डे पर एक विमान से जुड़ी दुर्घटना के बाद पूरे बेड़े को उड़ान से रोक दिया गया था। लड़ाकू विमानों के निर्माता हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डी.के. सुनील ने बताया कि 34 तेजस विमानों का पूरा बेड़ा आठ अप्रैल से उड़ान भरने के लिए तैयार है, क्योंकि विमान के सॉफ्टवेयर में पाई गई खामी को दूर कर लिया गया है। उन्होंने बताया, "सभी तेजस लड़ाकू विमान अगले बुधवार से फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।" फरवरी के पहले सप्ताह में एक तेजस विमान के रनवे से आगे

निकल जाने के बाद इसके बेड़े को उड़ान से रोक दिया गया था। यह दुर्घटना एयरबेस पर हुई थी और संभवतः ब्रेक फेल होने के कारण हुई थी। इस घटना के बाद भारतीय वायु सेना ने विमानों की व्यापक जांच के आदेश भी दिए थे। भारतीय वायु सेना को तेजस मार्क 1ए संस्करण की आपूर्ति में देरी के बारे में सुनील ने कहा कि एचएएल दिसंबर तक 20 से अधिक लड़ाकू विमान तैयार कर लेगी और उनमें से छह की आपूर्ति जल्द ही की जा सकती है क्योंकि रडार, एवियोनिक्स और मिसाइल-फायरिंग सिस्टम के अंतिम परीक्षण वर्तमान में जारी हैं। लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में देरी मुख्य रूप से जीई एयरोस्पेस द्वारा एक-404 एयरो इंजनों की आपूर्ति के लिए कई समय सीमाओं को पूरा न कर पाने के कारण हो रही है। वायु सेना द्वारा लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन से संबंधित कुछ मुद्दों को उठाए जाने के बारे में पूछे

जाने पर, एचएएल के सीएमडी ने कहा कि मई में एक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए मंजूरी दिए जाने की संभावना है। रक्षा क्षेत्र की प्रमुख अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को लड़ाकू विमानों के पांच इंजन सॉपे में और छठा इंजन अगले कुछ दिनों में आपूर्ति किए जाने की उम्मीद है। यह भी पता चला है कि एचएएल ने तेजस हल्के लड़ाकू विमान मार्क 1ए के इंजनों की आपूर्ति में देरी के लिए जीई एयरोस्पेस पर एक प्रावधान के तहत जुर्माना लगाया है। अनुबंध के अनुसार जीई एयरोस्पेस पर जुर्माना लगाया जा रहा है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का समझौता किया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

द्रमुक के चुनावी वादे लागू किए जाने योग्य : कनिमोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मनमदुरै सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) की सांसद कनिमोड़ी ने बुधवार को कहा कि मुखलवर पदाङ्गम समेत मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा



उदयनिधि स्टालिन ने चेपाक-थिरुवल्लिकेनी से नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) की युवा शाखा के सचिव उदयनिधि स्टालिन ने चेपाक-थिरुवल्लिकेनी विधानसभा क्षेत्र से बुधवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। द्रमुक के 48 वर्षीय नेता उदयनिधि एक विशाल रोड शो के बाद कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। रोड शो के दौरान पार्टी के हजारों कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर मौजूद थे। वह चेपाक-थिरुवल्लिकेनी से मौजूदा विधायक हैं और 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए फिर से इस सीट से मैदान में हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय पदाधिकारियों के साथ, उदयनिधि ने दोपहर को निर्वाचन अधिकारी को अपने दस्तावेज सौंपे। नामांकन दाखिल करने के बाद प्रचारकों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने 'द्रविड़ शासन प्रणाली' पर पूरा भरोसा जताया।



सैथिल बालाजी द्रमुक के लिए 'अप्रिय स्थिति' का कारण बनेंगे : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुकोट्टई। अन्ना द्रमुक के प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी ने कहा है कि तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सैथिल बालाजी सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) के लिए 'अप्रिय स्थिति' का कारण बनेंगे जिससे पार्टी को चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

पुडुकोट्टई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की कथित तौर पर नौकरी के बदले नकद घोटाले में शामिल सैथिल बालाजी की प्रशंसा करने के लिए कड़ी आलोचना की। पलानीस्वामी ने कहा, "स्टालिन, सैथिल बालाजी की प्रशंसा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें विधानसभा चुनाव के नतीजों की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि करण में सैथिल बालाजी की मौजूदगी से

जीत सुनिश्चित हो जाती है। लेकिन सैथिल बालाजी ही मुख्यमंत्री और उनकी द्रमुक के लिए अप्रिय स्थिति का कारण बनेंगे।" पलानीस्वामी ने कहा कि यह वही स्टालिन हैं जिन्होंने नेता प्रतिपक्ष रहते हुए बालाजी की आलोचना की थी और अब उन्होंने अपना रुख बदल लिया है। उन्होंने कहा, "10 रुपये का जिक्र होते ही सैथिल बालाजी की याद आ जाती है।" उन्होंने शराब घोटाले में बालाजी की कथित संलिप्तता को लेकर पार्टी द्वारा उन पर किए जाने वाले लगातार कटाकों का जिक्र किया।

हाल में द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) में शामिल हुए और अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र बोदिनायकानूर से चुनाव लड़ने के लिए नामांकित हुए निष्कासित नेता ओ. पनीरसेल्वम के बारे में टिप्पणी को लेकर पूछे जाने पर पलानीस्वामी ने कहा, "छोड़िए, आज के शुभ अवसर पर उनके बारे में बात नहीं करें तो अच्छा है।"



राजग ने विश्वासघात किया, पश्चिम एशिया में संकट के बीच एमएसएमई का गला घोंटा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। द्रविड़ मुनेत्र कषम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने बुधवार को राजग पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए कहा कि उसने मौजूदा पश्चिम एशिया संकट के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) का 'गला घोंटा' है।

इरोड में एक चुनावी रैली में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र

कषम (अन्नाद्रमुक) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन के कथित विश्वासघातों को गिनाते हुए स्टालिन ने कहा कि राजग नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) को रद्द करने में नाकाम रहा और संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) लाना जनता के खिलाफ था।

उन्होंने राजग पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए कहा, "राजग अमेरिकी शुल्क के संबंध में बुनकरों की रक्षा और करने में नाकाम रहा और पश्चिम एशिया संकट के दौरान उसने

एमएसएमई का गला घोंटा।"

उन्होंने ई. के. पलानीस्वामी पर तंज करते हुए कहा कि "उन्होंने अपने करीबी रिश्तेदार (संबंधी) को ठेका दिया।" स्टालिन ने टीटीवी दिनाकरन, अंबुमणि रामदास एवं अन्नाद्रमुक के अन्य नेताओं का सीधे तौर पर नाम लिए बिना उन्हें भ्रष्ट बताया। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 'डबल इंजन' के नारे का उदाहरण उड़ाते हुए इसे 'डब्ला इंजन' बताया और कहा कि विधानसभा चुनाव में राजग की करारी हार होगी।

एमके स्टालिन ने एफसीआरए विधेयक पर की केंद्र की आलोचना, कहा- अल्पसंख्यक संस्थानों को बनाया जा रहा निशाना

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार से विदेशी अंशदान (विनियमन) बांचे में प्रस्तावित संशोधनों को तुरंत वापस लेने की अपील की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम का मकसद ईसाई संस्थानों, चर्चों और अल्पसंख्यकों की ओर से चलाए

जा रहे अन्य धार्मिक संगठनों को अनुचित रूप से निशाना बनाना है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) से जुड़े प्रस्तावित बदलावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व

वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। स्टालिन ने अपने पोस्ट में लिखा, मैं केंद्र की भाजपा सरकार की ओर से प्रस्तावित 'विदेशी अंशदान विनियमन (संशोधन) विधेयक-2026' की कड़ी निंदा करता हूँ, जो ईसाई एनजीओ, चर्चों और अन्य अल्पसंख्यक संस्थानों पर सीधा हमला है।

तमिलनाडु चुनाव : तिरुचि ईस्ट से टीवीके प्रमुख विजय विजय ने भरा नामांकन, समर्थकों की भारी भीड़ दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचि। तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता से नेता बनकर प्रवेश करने वाले विजय ने गुरुवार को तिरुचि ईस्ट विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे शहर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

टीवीके नेता विजय के काफिले के साथ सैकड़ों उत्साहित समर्थक दौड़ते नजर आए। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन उत्साह इतना ज्यादा था कि कुछ देर के लिए स्थिति बिगड़ गई। इसी दौरान एक महिला, जो काफिले के साथ दौड़ रही थी, संतुलन खो बेटी और गिर गई। यह देखकर मौके पर मौजूद लोगों में चिंता बढ़ गई। घटना को देखते ही विजय ने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई, नीचे उतरकर खुद महिला की स्थिति का जायजा लिया और उसकी मदद की। उनके इस मानवीय व्यवहार की काफी सराहना हुई। हालांकि, इस वजह से कुछ समय के लिए ट्रैफिक भी रुक गया और माहौल भावनात्मक हो गया। इसके बाद विजय ने तिरुचि ईस्ट निर्वाचन कार्यालय में रिटर्निंग ऑफिसर युधु

मुर्गुसा पांडियन के सामने अपना नामांकन पत्र जमा किया। इस चुनाव में विजय दो सीटों से मैदान में हैं। इससे पहले वे पेरंबलूर सीट से भी नामांकन दाखिल कर चुके हैं। नामांकन के बाद विजय ने पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। इसके बाद उन्होंने जनता से मुलाकात की और कई मुद्दों को उठाया।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधते हुए विजय ने पूछा कि जब अन्य मुद्दों के लिए दिल्ली जाया जा सकता है, तो गैस संकट के लिए क्यों नहीं। इसके अलावा उन्होंने कानून-व्यवस्था पर भी चिंता जताई और विलायिक्कुलम में एक स्कूली छात्रा की हत्या का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और राज्य में बदलाव की जरूरत है। विजय ने मतदाताओं से अपील की कि वे सत्ता में मौजूद 'बुरी ताकतों' को हराएं। नामांकन प्रक्रिया के बाद, विजय की मध्य जिले में एक गहन प्रचार अभियान शुरू करने की योजना है, जहां उमड़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 23 अप्रैल को एक ही चरण में होगा और मतगणना चार मई को होगी।

विजय ने करूर हादसे में साजिश का आरोप लगाया

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के प्रमुख विजय ने बुधवार को करूर में हुई दुखद भगदड़ और अपनी आखिरी फिल्म 'जननायकन' की रिलीज में मिलाभगत और साजिश का आरोप लगाया और कहा कि वह भी करूर घटना में न्याय चाहते हैं। 27 सितंबर, 2025 को अभिनेता-राजनेता द्वारा संबोधित एक रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे।

पूर्वी तिरुचिरापल्ली विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि जैसा कि कई लोग जोर दे रहे हैं, करूर की घटना एक संयुक्त साजिश थी। तमिलनाडु के प्रमुख ने अपनी आखिरी फिल्म जननायकन की रिलीज को लेकर साजिश का भी दावा किया और कहा, मैं, जो आपके लिए न्याय मांगने आया हूँ, खुद भी न्याय चाहता हूँ। उन्होंने एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की कड़ी आलोचना की और कहा कि अगर दोनों सरकारों ने पहले से योजना बनाई होती और नियम बनाए होते तो इस संकट को टाला जा सकता था। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तो किसी भी तरह की छापेमारी या पारिवारिक समस्या होने पर तुरंत दिल्ली पहुंच जाते हैं। क्या वे एलपीजी सिलेंडर संकट को सुलझाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी गए? विजय ने सवाल किया और कहा कि तैयारियों की कमी के कारण गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है, जिसके चलते छोटे-मोटे भोजनालय और यहां तक कि होटल भी बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा, इससे कई लोगों को कठिनाई और नुकसान हुआ है। यदि वे सतर्क रहते और सावधानी बरतते, तो संकट इतना नहीं बढ़ता। इसके लिए दोनों जिम्मेदार हैं। विजय ने लोगों से अपील की कि वे द्रमुक और भाजपा पर भरोसा न करें, क्योंकि दोनों का रुख एक जैसा है। इन पार्टियों को नकार देना चाहिए। उन्होंने तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि लोगों को टीवीके को मोका देकर उसका समर्थन करना चाहिए।

के आर्मस्ट्रांग की पत्नी पोर्कोडी ने एनडीए उम्मीदवार के रूप में भरा नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया गुरुवार को और तेज हो गई, जब तमिल मनीला बहुजन समाज पार्टी की नेता पोर्कोडी आर्मस्ट्रांग ने चेन्नई की तिरुचिरापल्ली (अनुसूचित जाति) सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। पोर्कोडी आर्मस्ट्रांग, एआईएपीएमके के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरी हैं और दो पतियों चुनाव विन्धन पर चुनाव लड़ेंगी। राज्य में 6 अप्रैल नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है, जिसके चलते राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और प्रमुख उम्मीदवार लगातार मैदान में उतर रहे हैं।

पोर्कोडी की उम्मीदवारी ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, जिसकी वजह उनका व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों तरह का संदर्भ है। वह दिवंगत के. आर्मस्ट्रांग की पत्नी हैं, जो तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के प्रमुख थे और वर्ष 2024 में उनकी हत्या कर दी गई थी। यह मामला अभी भी जांच के दायरे में है। बीएसपी के प्रदेश अध्यक्ष की हत्या ने उस समय व्यापक आक्रोश पैदा किया था और राज्य में राजनीतिक हिंसा व जातीय समीकरणों को लेकर बहस छेड़ दी



थी। पोर्कोडी ने कहा है कि उनका चुनावी मैदान में उतरना सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि अपने पति की विरासत को आगे बढ़ाने और न्याय की लड़ाई का हिस्सा है। के. आर्मस्ट्रांग की मौत के बाद पोर्कोडी को पार्टी में समन्वयक बनाया गया था, लेकिन आंतरिक मतभेदों के चलते उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन्होंने 5 जुलाई को, जो उनके पति की पहली पुण्यतिथि थी, अपनी नई पार्टी 'तमिल मनीला बहुजन समाज पार्टी' का गठन किया। तिरुचिरापल्ली सीट पोर्कोडी के लिए रणनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसमें पेरुब्रू जैसे इलाके शामिल हैं, जहां उनके पति का मजबूत जनाधार रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थानीय जुड़वा चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकता है। उनकी उम्मीदवारी को कई पक्षों का समर्थन भी मिला है। वीसीके नेता थिरुमावल्लुर और हत्या ने उस समय व्यापक आक्रोश पैदा किया था और राज्य में राजनीतिक हिंसा व जातीय समीकरणों को लेकर बहस छेड़ दी

तमिलनाडु में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत एडमिशन प्रक्रिया शुरू, 29 मई तक होगे दाखिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में निजी स्कूलों में आरटीई (शिक्षा अधिकार) के तहत एडमिशन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है, जिसके अनुसार दाखिला प्रक्रिया 29 मई तक पूरी कर ली जाएगी। इस बार प्रक्रिया समय से शुरू की जा रही है, क्योंकि पिछले साल इसमें काफी देरी हुई थी। 2 अप्रैल से तैयारियों का काम शुरू हो गया है। वहीं 6 अप्रैल को विभाग निजी स्कूलों को यह जानकारी देगा कि आरटीई के तहत उन्हें कितनी सीटें आरक्षित करनी हैं। यह आंकड़ा एजुकेशन मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (ईएमआईएस) के डाटा के आधार पर तय किया जाएगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी पात्र

निजी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 7 अप्रैल से अपने परिसर में 25 फीसदी आरटीई कोट के तहत उपलब्ध सीटों की संख्या प्रदर्शित करें। 15 अप्रैल को सभी स्कूलों की सीटों की एक संयुक्त सूची ऑनलाइन जारी की जाएगी, ताकि अभिभावकों आसानी से जानकारी लेकर सही विकल्प चुन सकें।

एडमिशन के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 अप्रैल से शुरू होगी और 18 मई तक चलेगी। इस दौरान अभिभावकों को आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। पूरी प्रक्रिया 29 मई तक समाप्त हो जाएगी। आरटीई कानून के तहत निजी, गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में एंटी लेवल कक्षाओं (एलकेजी और कक्षा 1) में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित होती हैं। इस योजना से हर साल करीब 85,000 बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलता है।

सरकार की हताशा सबके सामने, राहुल गांधी को विधेयक पर बोलने का अवसर नहीं दे रही सरकार : मणिकम टैगोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के विरुधुनगर से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर बी. ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक पर बोलने का अवसर न देने का आरोप लगाया है।

मणिकम टैगोर ने एक्स पर लिखा है, सरकार की हताशा अब सबके सामने आ चुकी है। हमारे सीएपीएफ कर्मियों के अधिकारों और गरिमा को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण विधेयक लोकसभा में जल्दबाजी में पेश

किया जा रहा है। ठीक उसी समय जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी पूर्व नियोजित चुनावी रैलियों के लिए चुनाव में हैं। ये रैलियां काफी पहले घोषित कर दी गई थीं। तैयारियां पहले ही पूरी हो चुकी थीं। जनसभाएं भी निर्धारित थीं और अचानक विधेयक आज के लिए सूचीबद्ध है। कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार से विधेयक जल्दबाजी में पेश करने को लेकर सवाल उठाया है।

उन्होंने कहा, यह जल्दबाजी क्यों? निष्पक्ष और पूर्ण बहस से क्यों बचा जा रहा है? विपक्ष के नेता को हमारे जवानों को प्रभावित करने वाले मुद्दे पर बोलने का अवसर क्यों नहीं दिया जा रहा है?

यह संयोग नहीं है। यह सोची-समझी संसदीय रणनीति है। मणिकम टैगोर ने सोशल साइट्स पर लिखा, अपने निर्णयों पर आक्षेप सरकार को आक्षेप नहीं डरती। न्याय के प्रति प्रतिबद्ध सरकार असहमति की आवाजों की अनुपस्थिति में जल्दबाजी में कानून नहीं बनाती। यह विधेयक पहले ही गंभीर संवैधानिक चिंताएं पैदा करता है। अदालतों के फैसलों को दरकिनारा करना, सीएपीएफ अधिकारियों के साथ निष्पक्षता से इनकार करना और संरक्षित संतुलन को कमजोर करना। अब, जानबूझकर जांच-पड़ताल को कम करके इसे आगे बढ़ाया जा रहा

है। भारत बेहतर का हकदार है। हमारी सेनाओं को निष्पक्षता मिलनी चाहिए। संसद को ईमानदारी मिलनी चाहिए। सांसद बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को लेकर एक पत्र भी एक्स पर पोस्ट किया है। जिसमें लिखा है, अनिष्ट शाह प्रस्ताव करते हैं कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में समूह ए जनरल क्यूटी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की भर्ती और सेवा शर्तों को नियंत्रित करने वाले सामान्य नियमों व इन बलों से संबंधित अन्य नियमों और उनसे संबंधित या आनुषंगिक मामलों को विनियमित करने वाले विधेयक, जैसा कि राज्यसभा द्वारा पारित किया गया है, पर विचार किया जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



कांग्रेस ने काजीरंगा घुसपैठियों को सौंप दिया था, राजग ने इसे मुक्त कराकर पर्यटन स्थल बनाया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कालियाबोर (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राज्य में अपने 15 साल के शासन के दौरान असम के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने यहां चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विश्व प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को घुसपैठियों के हवाले कर दिया, जिन्होंने वन भूमि पर अतिक्रमण किया और एक सींग वाले गैंडों को खतरे में डाल दिया। उन्होंने कहा, यह राजग सरकार थी जिसने अतिक्रमणकारियों को हटाया और यह सुनिश्चित किया कि काजीरंगा एक बार फिर विश्व पर्यटन मानचित्र पर आए।

शाह ने राज्य के दौरे पर आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा, कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान राज्य के लिए क्या

भाजपा अन्य दलों के 'खारिज' नेताओं को बंगाल चुनाव में उतार रही है : अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी विधानसभा चुनावों के लिए अन्य दलों के खारिज तत्वों को मैदान में उतार रही है।

पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले के तलडांगरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, भाजपा को अपने साथ रखना नासूर के साथ जीने जैसा है, इसे हटाना केंसर का इलाज करने जैसा है।

कैंग ने ओडिशा की जेलों में सुरक्षा और कर्मचारियों की कमियों को उजागर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैंग) ने ओडिशा की जेलों में बुनियादी ढांचे, कर्मियों एवं उपकरणों की कमी का हवाला देते हुए जेल प्रबंधन और सुरक्षा में कई कमियों को उजागर किया।

ये निष्कर्ष जेलों के विशेष-विशेष अनुपालन ऑडिट में सामने आए, जो भारत के कैंग की नवीनतम रिपोर्टों में शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, "ओडिशा मॉडल जेल मैनुअल-2020 के अनुसार, प्रत्येक छह कैदियों पर कम से कम एक गार्ड होना चाहिए और इस अनुपात का पालन तीनों 'शिफ्ट' में किया जाना चाहिए।"

रिपोर्ट में कहा गया है कि 21,058 कैदियों के प्रबंधन के लिए 3,515 सुरक्षा कर्मियों की आवश्यकता के मुकाबले सरकार द्वारा केवल 1,680 पद (47.49 प्रतिशत) स्वीकृत किए गए थे, जो एक शिफ्ट के लिए भी पर्याप्त नहीं थे।

जून 2023 और फरवरी 2024 के बीच 2020-21 से 2022-23 की अवधि के लिए

राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने में आकाशवाणी की ऐतिहासिक भूमिका : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को आकाशवाणी के लखनऊ केंद्र के 89वें स्थापना दिवस पर समाज को जोड़ने, भाषाई विविधता को बनाए रखने और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने में आकाशवाणी की ऐतिहासिक भूमिका की तारीफ की।

मुख्यमंत्री ने आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक समारोह में अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि स्मार्टफोन, टेलीविजन और बड़े पैमाने पर टेलीफोन कनेक्टिविटी से रहित उस युग में रेडियो जानकारी और प्रेरणा का मुख्य स्रोत था। उन्होंने



कहा, हमने जो पहली आवाज सुनी वह आकाशवाणी की थी। इसकी सुबह की सिंगेचर ट्यून और प्रोग्राम हर घर को जोड़ते थे और समाचार करते हुए कहा कि स्मार्टफोन, टेलीविजन और बड़े पैमाने पर टेलीफोन कनेक्टिविटी से रहित उस युग में रेडियो जानकारी और प्रेरणा का मुख्य स्रोत था। उन्होंने

बनी, भारत की आस्था को सम्मान देने वाला माध्यम भी आकाशवाणी थी। जब बड़े हुए तो देश-दुनिया में क्या चल रहा है, उसकी जानकारी भी आकाशवाणी से ही मिलती थी। सबसे बड़ी बात उसने भाषा की शुद्धता भी थी और सत्यता भी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत की विभिन्न भाषाओं और

बोलियों को आगे बढ़ाने में आकाशवाणी की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि हिंदी की उपभाषाओं और बोलियों, जैसे भोजपुरी, अवधी, गढ़वाली और कुमाऊनी को कैसे स्थानीय लोगों को जोड़ने का माध्यम बनाएं और उसको कैसे लोकप्रिय बनाएं जाएं, यह भी आकाशवाणी के माध्यम से ही सुनने को देखने को अवसर प्राप्त होता था।

उन्होंने कहा कि यह केवल मनोरंजन नहीं था, ज्ञानवर्धन भी था, आस्था का सम्मान भी था और साथ-साथ स्थानीय लोक भाषा, लोक कला के लिए मंच का एक सशक्त माध्यम भी था।

आदित्यनाथ ने कहा कि साल 1938 में जब यह देश आजाद नहीं हुआ था, तब पहली धुन वंदे मातरम की आकाशवाणी लखनऊ से प्रसारित हुई थी।

मालदा न्यायिक अधिकारियों के घेराव की योजना तृणमूल कांग्रेस ने बनाई : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मलदा जिले के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद के दौरान मलदा के सुजापुर में न्यायिक अधिकारियों का घेराव और हिंसा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस द्वारा

“सुनियोजित तरीके से की गई।” अधिकारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि मलदा में एसआईआर कवायद में लगे न्यायिक अधिकारियों का घेराव

ममता बनर्जी के नेतृत्व में कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष स्तर द्वारा सुनियोजित था, जिसमें स्थानीय नेता सबीना यास्मीन ने जमीनी स्तर पर योजना को अंजाम दिया था। मलदा जिले के हाफिजपुर थाना क्षेत्र के मीरपुर कलांग गांव का आशु उर्फ मोटी सिविल लाईस डलाके में मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

यश ने कहा कि आशु हत्या की कोशिश और सुरदाबाद के एक कारोबारी से पांच करोड़ रुपये की रंगारी मांगने के मामले में वांछित था एवं उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, आशु का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ कई जिलों में हत्या, हत्या की कोशिश और डकैती समेत कई जन्मकाम मामलों के लगभग 36 मुकदमे दर्ज हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत की विभिन्न भाषाओं और

मुरादाबाद में एक इनामी 'शार्पशूटर' मुठभेड़ में मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और मुरादाबाद पुलिस के संयुक्त अभियान में बुधवार देर रात एक 'शार्पशूटर' मारा गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बृहस्पतिवार को बताया कि हापुड़ जिले के हाफिजपुर थाना क्षेत्र के मीरपुर कलांग गांव का आशु उर्फ मोटी सिविल लाईस डलाके में मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

यश ने कहा कि आशु हत्या की कोशिश और सुरदाबाद के एक कारोबारी से पांच करोड़ रुपये की रंगारी मांगने के मामले में वांछित था एवं उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, आशु का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ कई जिलों में हत्या, हत्या की कोशिश और डकैती समेत कई जन्मकाम मामलों के लगभग 36 मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने घटनास्थल से एक कार, .32 बोर की एक पिस्तौल, .32 बोर की एक रिवोल्वर और बड़ी संख्या में कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आशु पहली बार 2010 में हत्या की एक मामले में जेल गया था, उसी दौरान वह उधम सिंह गैंग के संपर्क में आया। उन्होंने बताया कि जमानत पर रिहा होने के बाद आशु ने कथित तौर पर गैंग के लिए काम करना शुरू कर दिया और गंभीर अपराधों में शामिल रहा। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बंगाल सबसे अधिक धुवीकृत, न्यायिक अधिकारियों के घेराव की सीबीआई या एनआईए जांच कराएं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल को सबसे अधिक धुवीकृत वाला राज्य बताया है, उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को मलदा जिले के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद के दौरान मलदा जिले में सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हिंसा पश्चिम बंगाल की पूर्ण विफलता और निष्क्रियता पर कड़ी नाराजगी जताई और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराए जाने का निर्देश दिया।

न्यायालय ने चुनावी राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती का भी निर्देश दिया। घटना की कड़ी निंदा करते हुए न्यायालय ने कहा कि यह घटना राज्य प्रशासन की पूर्ण विफलता को भी उजागर करती है और न्यायिक

अधिकारियों को धमकाने का न सिर्फ एक बेशर्म प्रयास था, बल्कि यह इस उच्चतम न्यायालय के अधिकार को चुनौती देने के बराबर भी था। इसे गैर-राजनीतिक विरोध

को बताने वाली दलीलों को खारिज करते हुए, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। बल्कि, यह न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराने का एक सुनियोजित और जानबूझकर किया गया कदम प्रतीत होता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अगर यह विरोध प्रदर्शन गैर-राजनीतिक था, तो राजनीतिक नेता क्या कर रहे थे? क्या उनका यह कर्तव्य नहीं था कि वे मौके पर जाकर देखें कि क्या हो रहा है? क्या कोई कानून-व्यवस्था अपने हाथ में

लेने की कोशिश कर रहा है? शाम 5 बजे इन लोगों ने अधिकारियों को घेर लिया और रात 11 बजे तक आपका क्लेक्टर नहीं नहीं था। न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि यह राज्य में "पर्याप्त केंद्रीय बलों की मांग करे और उन्हें उन सभी स्थानों पर तैनात करे जहां मलदा जिले में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के तहत न्यायिक अधिकारियों आपतियों का निपटारा कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "निर्वाचन आयोग को यह भी निर्देश दिया जाता है कि वह कल की घटना की जांच/पड़ताल किसी स्वतंत्र एजेंसी यानी सीबीआई या एनआईए को सौंपे। अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की जाए। जिस एजेंसी को जांच सौंपी जाएगी, वह

सीधे इस न्यायालय में प्रारंभिक रिपोर्ट दाखिल करने के लिए बाध्य होगी। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मलदा सूचियों से बाहर किए गए 60 लाख से अधिक लोगों की आपतियों के निरास्तार के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के लगभग 700 न्यायिक अधिकारियों को चल रही एसआईआर प्रक्रिया में तैनात किया गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एन. पंचोली की पीठ ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तथा मलदा के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को "कारण बताओ नोटिस" जारी कर यह बताने को कहा कि "कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से प्राप्त पत्र की सामग्री के आलोक में उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई क्यों न की जाए।"

न्यायिक अधिकारियों का घेराव देश के इतिहास में 'काला धब्बा' : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल के मलदा जिले में मलदा जिले में सात न्यायिक अधिकारियों का कई घंटे तक घेराव किए जाने की घटना को बृहस्पतिवार को देश के इतिहास में काला धब्बा करार दिया। भाजपा ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इशारे पर मलदा जिले के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद में बाधा डालने और रोहिंघ्याओं की रक्षा करने के लिए इस घटना को अंजाम दिया। भाजपा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब उच्चतम न्यायालय ने घटना को निंदनीय और शासन की पूर्ण विफलता का सूचक करार देते हुए पश्चिम बंगाल प्रशासन को उसकी कथित निष्क्रियता के लिए कड़ी फटकार लगाई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सवाल किया कि



कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी के इशारे पर न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया। भारत के इतिहास में ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई। यह दुर्भाग्यपूर्ण और एक काला धब्बा है। उन्होंने कहा कि सातों न्यायिक अधिकारी उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए अपना काम कर रहे थे। भाटिया ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संविधान की शपथ लेने वाली ममता बनर्जी शीर्ष अदालत के आदेशों की खुलेआम अवहेलना करते हुए न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना रही हैं। उनका इरादा न्यायिक अधिकारियों को डराना है, क्योंकि वह एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालना चाहती हैं।"

भाजपा के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि ममता ने रोहिंघ्याओं की रक्षा के लिए अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के वारंटे भेजा। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी, जिन्हें पश्चिम बंगाल के लोगों और उनके अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, रोहिंघ्याओं का साथ दे रही हैं। उन्हें रोहिंघ्याओं से लगाव है।

हर क्रिकेटर को बचपन से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए : युवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि क्रिकेटर्स को अपने मुख्य पेशे के तनाव से निपटने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए।

युवराज क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शोकिंग तौर पर गोल्फ खेलते हैं। उन्होंने दूरे 'इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल)' का ब्रांड दूत बनाया गया है। युवराज ने आईजीपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के अनावरण के मौके पर कहा, "क्रिकेट को क्रिकेट के साथ-साथ गोल्फ भी खेलना चाहिए। मुझे भी पहले गोल्फ खेलना चाहिए था, जिससे मुझे क्रिकेट में मदद मिलती। गोल्फ वास्तव में आपको



पश्चिम बंगाल में एसआईआर के विरोध में कई जिलों में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से महज तीन सप्ताह पहले, मलदा जिले के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में बृहस्पतिवार को राज्य के कई जिलों में प्रदर्शन हुए।

प्रदर्शनकारियों ने मलदा सूचियों से नाम हटाए जाने के विरोध में सड़कों और राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। मलदा, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार और पूर्वी बर्दमान में प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए, सड़कों को अवरुद्ध किया और मौन मार्च निकाला, जहां 23 अप्रैल को मतदान होना है। एक दिन

पहले, मालदा जिले के कालियाबोर में एसआईआर कार्य में लगे सात न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। कई घंटों की मशकत के बाद सुरक्षा बलों ने उन्हें छुड़ा लिया। मलदा जिले के बड़े पैमाने पर नामों को काटे जाने का आरोप लगाते हुए, प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को कोलकाता और सिलीगुड़ी को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को भी अवरुद्ध कर दिया। इन घटनाओं के बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर राज्य में अशांति फैलाने और विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रपति शासन लागू करने की राह प्रशस्त करने के लिए "षड्यंत्र" रचने का आरोप लगाया। इंग्लिश बाजार क्षेत्र के जादपुर में भी प्रदर्शन हुआ।

ओडिशा के उपमुख्यमंत्री ने 1,889 आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिदा ने बृहस्पतिवार को 30 जिलों में 1,889 आंगनवाड़ी केंद्रों (एडव्यूसी) का वर्युअल माध्यम से उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री के साथ ही महिला एवं बाल विकास, मिशन शक्ति और पर्यटन विभागों की भी प्रभारी परिदा ने कहा कि यह बच्चों की देखभाल के लिए राज्य में जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परिदा ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, "इसका उद्देश्य राज्य भर में 'सुंदर', 'सक्षम' और 'सुदृढ़' आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित करना है।" इस अवसर पर परिदा ने बालासोर, गंजाम, कटक, अंगुल और देवगढ़ जिलों के अधिकारियों से भी बातचीत की तथा आंगनवाड़ी केंद्र भवनों की प्रगति की समीक्षा की।



हिमंत 'सबसे ब्रष्ट मुख्यमंत्री': राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोकाजान/टीटाबार (असम)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भारत का "सबसे ब्रष्ट मुख्यमंत्री" बताते हुए आरोप लगाया कि शर्मा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में "लैंड एटीएम" चला रहे हैं और आम लोगों से जमीन छीनकर बड़े उद्योगपतियों को दे रहे हैं।

कार्बी आगलों और जोरहाट जिलों में लगातार चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि लोगों से जमीन छीनकर बड़ी-बड़ी कंपनियों को सौंपी जा रही है। गायक जुबिन गर्ग का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि वे असम की भावना का प्रतिनिधित्व करते थे और उन्होंने उनकी मौत के संबंध में न्याय का आश्वासन दिया। राहुल गांधी ने असम विस चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें शासन, पहचान व स्वास्थ्य से संबंधित 11 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। राहुल ने कहा, "भारत के सबसे ब्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा हैं और उनका परिवार भी भ्रष्टाचार के मामले में पहले नंबर पर है। कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। अभी वह चाहे जितनी डींगें मार लें, उसके बाद वह चुप हो जाएंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शर्मा असम को गिरोहों के माध्यम से चला रहे हैं और उनके भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण मोदी ने उन पर पूरी तरह से नकल करी ही है।

करते हुए गांधी ने कहा कि वे असम की भावना का प्रतिनिधित्व करते थे और उन्होंने उनकी मौत के संबंध में न्याय का आश्वासन दिया। राहुल गांधी ने असम विस चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें शासन, पहचान व स्वास्थ्य से संबंधित 11 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। राहुल ने कहा, "भारत के सबसे ब्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा हैं और उनका परिवार भी भ्रष्टाचार के मामले में पहले नंबर पर है। कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। अभी वह चाहे जितनी डींगें मार लें, उसके बाद वह चुप हो जाएंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शर्मा असम को गिरोहों के माध्यम से चला रहे हैं और उनके भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण मोदी ने उन पर पूरी तरह से नकल करी ही है।

हर क्रिकेटर को बचपन से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए : युवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि क्रिकेटर्स को अपने मुख्य पेशे के तनाव से निपटने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए।

युवराज क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शोकिंग तौर पर गोल्फ खेलते हैं। उन्होंने दूरे 'इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल)' का ब्रांड दूत बनाया गया है। युवराज ने आईजीपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के अनावरण के मौके पर कहा, "क्रिकेट को क्रिकेट के साथ-साथ गोल्फ भी खेलना चाहिए। मुझे भी पहले गोल्फ खेलना चाहिए था, जिससे मुझे क्रिकेट में मदद मिलती। गोल्फ वास्तव में आपको



तनाव से मुक्ति दिलाता है।" आईजीपीएल का कार्यक्रम अभी तय होना बाकी है। उन्होंने कहा, "ज्यादातर विदेशी क्रिकेटर, खासकर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी बचपन से ही गोल्फ खेलते हैं।" युवराज ने कहा कि गोल्फ को एक विशिष्ट खेल माना जाता है, लेकिन यह एक ऐसा खेल है जो सार्वजनिक गोल्फ कोर्स के माध्यम से सभी के लिए सुलभ है। उन्होंने कहा, "हम गोल्फ को एक साथ गोल्फ भी खेलना चाहिए। मुझे भी पहले गोल्फ खेलना चाहिए था, जिससे मुझे क्रिकेट में मदद मिलती। गोल्फ वास्तव में आपको

हर खेल को आजमाना चाहिए।" युवराज ने कहा, "मैं जानता हूँ कि क्रिकेट हमारा सबसे लोकप्रिय खेल है, लेकिन हम भी एक रोमांचक खेल हैं, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ी के तौर पर, मैं अन्य खेलों में भी योगदान देना चाहता हूँ। यह लीग (आईजीपीएल) खेल को रोमांचक बनाएगी और खेल के बारे में जागरूकता फैलाएगी। ज्यादा बड़े इस खेल को अपनाएँ, टीवी पर देखें और खेलने के लिए प्रेरित होंगे। इससे खेल में पैसा आएगा और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी और हमारी जिम्मेदारी है। इस साल की (आईजीपीएल) में 10 फ्रेंचाइजी और पूरे साल में 15 टूर्नामेंट होंगे, जिनमें मॉरीशस, कांगो, दक्षिण अफ्रीका और मोरक्को में दो सहित पांच विदेशी टूर्नामेंट शामिल हैं।"

सुविचार

प्रार्थना केवल मांगने का जरिया नहीं है, बल्कि परमात्मा के प्रति आभार व्यक्त करने का तरीका है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत अब जनता की बारी

रूप में गिरावट थामने के लिए आरबीआई ने कई कदम उठाए हैं। अब जनता की बारी है। हमें भी ऐसे कदम उठाने होंगे, जो रूपए को मजबूती दें। जब डॉलर के मुकाबले रूपया गिरता है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे आयात बिल बढ़ता है और महंगाई में वृद्धि होती है। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के युद्ध के कारण रूपए में पहले ही काफी गिरावट आ चुकी है। इसे रोकने के लिए देशवासियों को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे।

यहां ग्रामीण क्षेत्र के लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनके पास ईंधन के अनेक विकल्प हैं। अगर वे कुछ दिनों के लिए इनका इस्तेमाल करें तो विदेशी मुद्रा की बचत होगी। साथ ही, शहरों में आपूर्ति तेज होगी। इससे औद्योगिक गतिविधियों में मदद मिलेगी। इन सबका नतीजा रूपए के प्रदर्शन में दिखाने में मदद करेगा। इस समय हमें विदेश की अन्य चीजों पर निर्भरता कम करनी चाहिए। जहां तक संभव हो, स्वदेशी चीजें खरीदें। ध्यान रखें, स्थानीय व्यक्ति से स्वदेशी चीज खरीदेंगे तो उसका फायदा किसी-न-किसी रूप में आपको जरूर मिलेगा। वहीं, विदेशी कंपनियों के खजाने में गया रूपया आपको कोई फायदा नहीं देगा। गर्मियों का मौसम आ गया है। हर साल इस समय विदेशी कंपनियों के शीतल पेय की बिक्री में उछाल आता है। इस साल संकल्प लें कि नींबू, पुदीना, छाछ, लस्सी, सत्तू और शर्बत आदि का सेवन करेंगे। इन पर खर्च किया गया रूपया अर्थव्यवस्था को ताकत देगा। वे चीजें विदेशी शीतल पेय की तुलना में काफी सस्ती तो हैं ही, स्वास्थ्यवर्द्धक भी हैं। गर्मियों की छुट्टियों में कई लोग विदेश घूमने का कार्यक्रम बनाते हैं। इसमें काफी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। अगर इस साल विदेश जाने के बजाय अपने ही देश में घूमने का कार्यक्रम बनाएं तो बहुत अच्छा रहेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। अपने देश में पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ब्याह-शादियों में कपड़ों की मांग बहुत होती है। कई लोग विदेशी ब्रांड के कपड़े पहनकर गर्व महसूस करते हैं। हालांकि गर्व की बात तो तब होती, जब हम लोग स्वदेशी कपड़े पहनें। इसी तरह जूते, चप्पल, परफ्यूम, मोबाइल फोन जैसी चीजें स्वदेशी लेने की आदत डालें। जब दुकानदार से कहेंगे कि 'स्वदेशी ही चाहिए', तो वे स्वदेशी माल को प्राथमिकता देंगे। समस्त देशवासी यह संकल्प लें तो महीनेभर में ही असर दिखाई देना शुरू हो जाएगा। रूपया जोरदार वापसी करेगा। अक्सर आम लोगों को रूपए में गिरावट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। जब उन्हें बताया जाता है तो उनकी प्रतिक्रिया कुछ ऐसी होती है- 'हमें डॉलर से क्या मतलब है?' कहा गिरा है रूपया? हमारी वजह से कैसे गिरा है?' उन्हें मुद्रा में गिरावट आने की वजह के बारे में बताया जाए। इसके अलावा उन तरीकों की जानकारी दी जाए, जो रूपए की मजबूती में योगदान दे सकते हैं। जनता को इसे आंदोलन बनाना होगा। रूपए को वापस मजबूत बनाना होगा। इसमें कुछ योगदान नेतागण भी दें। वैसे, उनकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है। वे महात्मा गांधी, भगत सिंह जैसे महापुरुषों की बातें तो खूब करते हैं, लेकिन उनके जैसी सादगी नहीं अपनाते। गांधीजी ने स्वदेशी को स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बना दिया था। क्या आज सभी दलों के नेता मिलकर कुछ ऐसा नहीं कर सकते, जिससे अपने देश के उद्योग-धंधों को बढ़ावा मिले और अपनी मुद्रा मजबूत हो? कुछ नेता तेल-गैस के मुद्दे पर बयान देते हैं, सरकार को जी भरकर कोसते हैं और अपनी कार में बैठकर चले जाते हैं। अगर वे साइकिल चलाएं, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें और थोड़ा पैदल भी चलें, तो उनके शब्दों पर लोग विश्वास करेंगे। कोरे बयानों से कुछ नहीं होगा।

ट्वीटर टॉक

आज मुख्यमंत्री निवास पर भारकराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान के महानिदेशक श्री टी.पी. सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

राजस्थान फाउंडेशन डे के उपलक्ष्य पर प्रवासी राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मनमोहक राजस्थानी लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हमारी समृद्ध परंपराओं और गौरवशाली विरासत की सुंदर झलक दिखा गई।

आज सदन में लोक सभा के पूर्व सदस्य रहे जंगवीर सिंह और नारायण साहू जी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जंगवीर सिंह हरियाणा के भिवानी संसदीय क्षेत्र से 10वीं लोक सभा के सदस्य तथा नारायण साहू ओडिशा के देवगढ़ संसदीय क्षेत्र से 7वीं लोक सभा के सदस्य रहे।

प्रेरक प्रसंग

संवेदना का मूल्य

एक साधारण परिवार में जन्मा बालकचंद्रगुप्त मोर्य गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहा था। उसके गुरु, महान नीतिकार चाणक्य, उसे केवल शास्त्र ही नहीं, जीवन का गूढ़ ज्ञान भी सिखा रहे थे। एक दिन गुरुकुल में एक निर्धन बालक अपमान से भरी आंखों के साथ रोता हुआ आया। कुछ शिष्यों ने उसकी गरीबी का उपहास उड़ाया था। यहां उपस्थित चंद्रगुप्त ने सब देखापर मौन रहा। चाणक्य की दृष्टि से यह दृश्य छिपा नहीं। उन्होंने सभी शिष्यों को एकत्र किया और गंभीर स्वर में कहा 'याद रखो, जहां भयानाओं का अपमान होता है, वहां ज्ञान भी टिक नहीं सकता। समान ही सबे नेतृत्व की आत्मा है और जहां अपमान होता है, वहां रिश्ते और समाज दोनों सूख जाते हैं।' फिर उनकी दृष्टि चंद्रगुप्त पर उठ गई 'यदि तुम भविष्य में सम्राट बनो, पर अपने ही लोगों के हृदय को न समझ सको, तो क्या तुम्हारा साम्राज्य स्थायी रह पाएगा?' ये शब्द चंद्रगुप्त के अंतर्मन को झकझोर गए। उसे अपने मौन का अपराध समझ आया। वह तुरंत उस बालक के पास गया, उसके आंसू पोछे, और पूरे सम्मान के साथ उसे अपने पास बैठाया। समय बीता आगे चलकर चंद्रगुप्त महान सम्राट बना।

सामयिक

एआई का उदय, इंसानों का पतन

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

जिस दिन तलवारें चलती हैं, लोग चीख उठते हैं। जिस दिन गोलियां बरसती हैं, दुनिया उसे सुखियां बना देती है। लेकिन जब किसी देश के बाहर हजार सपनों को खामोशी में दफना दिया जाए, तब कोई शोर नहीं उठता। न सायरन बजता है, न सड़कें रुकती हैं। बस मोबाइल स्क्रीन जलती है, इनफोक्वैस खुलता है और कुछ ठंडे शब्द महानत, भरोसे और भविष्य को एक पल में राख कर देते हैं-टुडे इज योर लास्ट वर्किंग डे। अरिंकल ने भारत में लगभग 12,000 कर्मचारियों को एक झटके में बाहर कर दिया। 31 मार्च 2026 की सुबह ठीक छह बजे बंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के हजारों घरों में उस सुबह चाय के कप हाथों में ही उठर गए। जो लोग रात तक खुद को सुरक्षित मान रहे थे, वे सुबह बेरोजगार थे। यह सिर्फ नौकरी जाने की घटना नहीं थी। यह उस नए दौर का ऐलान था, जिसमें मशीनों आगे बढ़ रही हैं और इंसान पीछे धकेले जा रहे हैं। अरिंकल की भारत में कुल कार्यशक्ति लगभग 30,000 थी। उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक लोगों को हटाना किसी सामान्य पुनर्गठन का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। इसके पीछे साफ आर्थिक गणित है। कंपनी इस समय एआई आधारित डेटा सेंटर, क्लाउड ऑटोमेशन और जेनरेटिव सिस्टम्स पर लगभग 156 अरब डॉलर लगा रही है। इतनी बड़ी पूंजी जुटाने का सबसे आसान रास्ता लागत घटाना है, और वैश्विक कंपनियों के लिए भारत हमेशा सबसे सस्ता, सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला श्रम बाजार रहा है।

अरिंकल की यह छंटनी एक कठोर लेकिन जरूरी सच सामने लाती है-भविष्य में नौकरी नहीं, केवल कौशल सुरक्षित होंगे। अब किसी कंपनी के साथ वर्षों की वफादारी आपको नहीं बचा सकती। आपको हर कुछ वर्षों में खुद को बदलना होगा, नई तकनीक सीखनी होगी और मशीन से आगे सोचने की क्षमता बनानी होगी।

इसलिए अमेरिका या यूरोप की तुलना में भारत में छंटनी करना उन्हें कम मंहगा पड़ता है। यानी जिन भारतीय इंजीनियरों ने वर्षों तक कंपनी के लिए अरबों डॉलर कमाए, वही सबसे पहले बलि चढ़ गए। इस छंटनी की सबसे बड़ी वजह केवल लागत घटाना नहीं, बल्कि तकनीक का बदलाव चेहरा भी है। पहले एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए सैकड़ों इंजीनियरों की जरूरत होती थी। कोई कोड लिखता था, कोई टेस्टिंग करता था, कोई डेटाबेस संभालता था, कोई रिपोर्ट बनाता था। कंपनी अब एआई डेटा सेंटर और क्लाउड ऑटोमेशन पर भारी निवेश कर रही है, जिससे कई दोहराए जाने वाले और रूटीन कार्यों में कम लोगों की जरूरत पड़ रही है। जेनरेटिव एआई कोड लिखने, टेस्टिंग और रिपोर्टिंग जैसे कामों को तेज कर रहा है, लेकिन छंटनी का मुख्य कारण विशाल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च के लिए कैश फ्लो जुटाना है। यही वजह है कि अरिंकल जैसी कंपनियां कर्मचारियों को खर्च और एआई को निवेश मानने लगीं। इन आंकड़ों के पीछे दबी सच्चाई कहीं अधिक भयावह और निर्भय है। बारह हजार कर्मचारियों की छंटनी केवल एक आंकड़ा नहीं, बारह हजार परिवारों पर टूटा हुआ संकट है। किसी ने हाल ही में घर खरीदा था और हर महीने भारी ईएमआई देनी थी। किसी के बच्चे का दाखिला बड़े स्कूल में हुआ था। कोई बूढ़े माता-पिता की दवाइयों और इलाज का सहारा था। पुणे का एक इंजीनियर, जो दस साल से कंपनी में था, सुबह रोज की तरह लॉग-इन करने बैठा, लेकिन उसका सिस्टम एक्सेस बंद था। कुछ ही मिनटों में उसे समझ आ गया कि जिस कंपनी को उसने अपनी जवानी और मेहनत दी, उसी ने उसे एक ईमेल में खत्म कर दिया। कॉर्पोरेट दुनिया में वफादारी की कीमत अब शायद एक पासवर्ड से भी कम रह गई है। यह सिर्फ अरिंकल की कहानी नहीं है। गुगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और दूसरी बड़ी टेक कंपनियां भी तेजी से उसी दिशा में बढ़ रही हैं। वे लगातार ऐसे एआई सिस्टम बना रही हैं जो इंसानों का काम घटा सकें। भारत की आईटी इंडस्ट्री वर्षों से आउटसोर्सिंग मॉडल पर टिकी रही। विदेशी कंपनियां यहां इसलिए आई व्योकिंग भारतीय इंजीनियर कम पैसे में ज्यादा काम करते हैं। लेकिन अब वही कंपनियां मशीनों को भारतीय इंजीनियरों से भी सस्ता और तेज मानने लगीं हैं।

भारत हर साल लाखों इंजीनियर तैयार करता है, लेकिन उनमें से अधिकतर को वही कौशल सिखाए जाते हैं जो आसानी से ऑटोमेट हो सकते हैं। अगर शिक्षा और उद्योग का यही मॉडल चलता रहा, तो आने वाले वर्षों में डिग्रियां बढ़ेंगी, लेकिन नौकरियां घटती जाएंगी। यही वह क्षण है जब भारत को अपनी सोच बदलनी होगी। हमें सिर्फ कोड लिखने वाले तकनीकी मजदूर नहीं, तकनीक बनाने वाला राष्ट्र बनना होगा। अगर भारतीय युवा केवल पुराने सॉफ्टवेयर और दोहराए जाने वाले काम सीखते रहेंगे, तो एआई उन्हें धीरे-धीरे अप्रासंगिक बना देगा। लेकिन अगर वही युवा मशीन लॉजिक, एआई रिसर्च, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, चिप डिजाइन और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ें, तो वे इस बदलाव के शिकार नहीं, उसके निर्माता बन सकते हैं। सरकार को भी केवल स्किल इंडिया का नारा नहीं देना चाहिए। अब समय एआई इंडिया की वास्तविक नीति बनाने का है, जिसमें कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों को पूरी तरह बदला जाए। अरिंकल की यह छंटनी एक कठोर लेकिन जरूरी सच सामने लाती है-भविष्य में नौकरी नहीं, केवल कौशल सुरक्षित होंगे। अब किसी कंपनी के साथ वर्षों की वफादारी आपको नहीं बचा सकती। आपको हर कुछ वर्षों में खुद को बदलना होगा, नई तकनीक सीखनी होगी और मशीन से आगे सोचने की क्षमता बनानी होगी। बारह हजार सपनों का यह डिजिटल कल्लेआम सिर्फ एक खबर नहीं, आने वाले समय की चेतावनी है। अगर भारत ने इस चेतावनी को नहीं समझा, तो आगली बार संख्या और बड़ी हो सकती है। लेकिन अगर हम इस दर्द को सबक बना लें, तो वही भारत, जिसे आज एआई से उड़वाया जा रहा है, कल एआई की दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

चिंतन

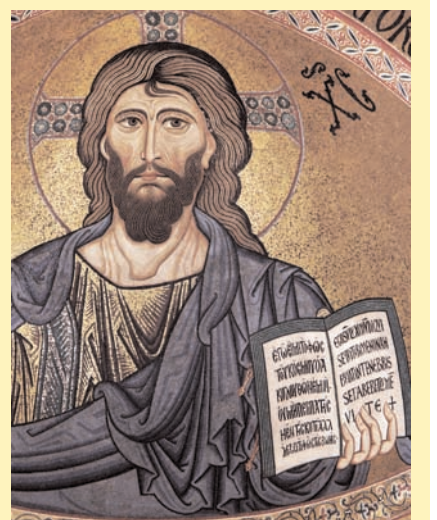
सूली से उटती शांति की पुकार

योगेश कुमार गोयल मोबाइल : 9416740584.

शु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्ब्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि कड़की के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को सूचक यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढक दिया जाता है। कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को राख का बुधवार कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्ब्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारते लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलेम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है। कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारते लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलेम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है। कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारते लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलेम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे।



उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलीनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धर्म और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

नजरिया

आर्टिज्म का खतरा : मानसिक विकास हो रहा प्रभावित

बाल मुकुन्द ओझा मोबाइल : 9414441218

देश और दुनिया की अनेक शोध रिपोर्टों में बताया गया है कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों की मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आदत उनमें वर्चुअल ऑटिज्म के खतरों को भी बढ़ा रही है। वर्चुअल ऑटिज्म के लक्षण आमतौर पर चार से पांच साल के बच्चों में दिखाई देते हैं। ऑटिज्म के बारे में अधिकांश देशवासी परिचित नहीं हैं। ऑटिज्म एक ऐसी सामाजिक और मानसिक बीमारी है जो किसी के बोलने, बातचीत करने तथा हरकतों में दिखाने देती है। इससे पीड़ित लोग कम्युनिकेशन में कमजोर होते हैं, उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है और कई बार टिप्पणों की वजह से चिढ़ और गुस्सा भी देखा गया है। मोबाइल का ज्यादा उपयोग करने से बच्चों में स्पीच डेवलपमेंट नहीं हो पाता और उनका ज्यादातर समय गैजेट्स में ही बीत जाता है इससे उनका व्यवहार खराब होने लगता है। कई बार उनके नखरे भी बहुत बढ़ जाते हैं और वे आक्रामक भी हो सकते हैं। स्मार्टफोन से उनके सोने का पैटर्न भी बिगड़ जाता है। प्रगति और विकास की अंधी दौड़ में हम अपने बच्चों को उन बीमारियों की ओर धकेल रहे हैं जिससे उनका शारीरिक और विशेषकर मानसिक विकास बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बच्चों की इस घातक बीमारी को चिकित्सक ऑटिज्म के नाम से सम्बोधित करते हैं। भारत में



मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन सबसे बच्चों में ऑटिज्म की बीमारी बढ़ रही है और उनकी सोशल कम्युनिकेशन और बिहैवियर स्टिकल्स प्रभावित हो रही है।

68 में से 1 बच्चा इस रोग का शिकार है। देखा जाता है यह बीमारी मोबाइल फोन से सम्बंधित है। मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। दुनिया भर में हुई तमाम रिसर्च और रिपोर्टें बताती हैं कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है। इतना ही नहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक मोबाइल,

गैजेट्स और ज्यादा टीवी देखने की लत बच्चों का भविष्य खराब कर रही है। इससे उनमें वर्चुअल ऑटिज्म का खतरा बढ़ रहा है। आज के दौर में फोन ही जीवन का आधार हो गया है। हर किसी को स्मार्टफोन और इंटरनेट की लत लगी है। आज देश के घर घर में स्मार्ट फोन ने अपना कब्जा जमा लिया है। आज घर घर में बच्चे धड़ले से मोबाइल पर स्क्रीनिंग कर रहे हैं। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है कि यह उनके स्वास्थ्य के लिए कितनी खतरनाक है। देखा जा रहा है अभिभावक अपने बच्चों के सामने बेवस हैं। मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन सबसे बच्चों में ऑटिज्म की बीमारी बढ़ रही है और उनकी सोशल कम्युनिकेशन और बिहैवियर स्टिकल्स प्रभावित हो रही हैं। इसमें बच्चों से माता-पिता का संवाद कम होना, बच्चों का बहुत ज्यादा अकेले में रहना, स्क्रीन टाइम यानी टीवी, मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग करना आदि कारण शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश भर में बच्चों में वर्चुअल ऑटिज्म के मामलों की संख्या में पिछले एक दशक में तीन से चार गुना वृद्धि देखी गई है। मां-बाप के बीच एक यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि वो अपने बच्चों का मन बहलाने के लिए उन्हें कहानी या तोरियां सुनाने की जगह मोबाइल फोन और अन्य गैजेट पकड़ा देते हैं। इस सामाजिक और मानसिक समस्या से छुटकारा पाने के लिए यह जरूरी है की माता पिता पहले अपनी आदतों में सुधार करें फिर अपने बच्चों को सुधारें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात



विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुधवार को नई दिल्ली में मध्य एशियाई देशों का प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए।

न्यूजीलैंड और कुक आईलैंड्स ने चीन के कारण उत्पन्न तनाव कम करने के लिए रक्षा समझौता किया

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)/एपी। न्यूजीलैंड और कुक आईलैंड्स ने बृहस्पतिवार को रक्षा और सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे प्रशांत क्षेत्र के इन दोनों देशों के बीच एक साल से अधिक समय से जारी तनाव में कमी आने की उम्मीद है। कुक आईलैंड्स के चीन के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर यह तनाव पैदा हुआ था।

यह कूटनीतिक गतिरोध इतना बढ़ गया था कि न्यूजीलैंड ने कुक आईलैंड्स को दी जाने वाली करोड़ों डॉलर की सहायता पर अस्थायी रोक लगा दी थी। हालांकि, यह टकराव बड़ी

भू-राजनीतिक शक्तियों के बीच नहीं था। न्यूजीलैंड की आबादी लगभग 50 लाख है, जबकि कुक आईलैंड्स की जनसंख्या मात्र 15,000 है। लेकिन यह लंबा गतिरोध प्रशांत महासागर के पर्यवेक्षकों के लिए चिंता का विषय बन गया, क्योंकि इससे उन छोटे द्वीपीय देशों की जटिल जलवायु उजागर हुई, जो न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे पश्चिमी देशों के साथ करीबी संबंध रखते हैं और पारंपरिक गठबंधनों को भीड़िंग की पहल के साथ संतुलित करने का प्रयास कर रहे हैं। नई घोषणा में कुक आईलैंड्स ने यह वादा किया कि रक्षा

और सुरक्षा मामलों में न्यूजीलैंड उसका प्राथमिक साझेदार रहेगा।

न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विलरन पीटर्स ने कहा कि समझौते ने दोनों देशों के मौजूदा संबंधों को लेकर अस्पष्टता दूर की है। कुक आईलैंड्स के चीन के साथ समझौते को लेकर कूटनीतिक विवाद शुरू हुआ था। कुक आईलैंड्स के प्रधानमंत्री मार्क ब्राउन ने फरवरी 2025 में बीजिंग यात्रा के दौरान अपने देश और चीन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसपर न्यूजीलैंड ने चिंता जताई थी।



हनुमान जन्मोत्सव पर रिलीज हुआ 'रामायण' का टीजर

मुंबई/एजेन्सी

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी माइथोलॉजिकल फिल्म 'रामायण' का टीजर आखिरकार सामने आ गया है। हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर मेकर्स ने इस फिल्म के फर्स्ट लुक को फैंस के साथ साझा किया, जिससे दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। इस फिल्म में बॉलीवुड स्टार रणवीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं और उनका लुक जारी किया गया है। टीजर में रणवीर कपूर का श्रीराम के अवतार में लुक काफी प्रभावशाली है। उनके चेहरे के हाव-भाव, गेटअप और पोशाक की

बारीकियों ने राम के चरित्र को जीवंत कर दिया है। टीजर में यश रावण के रूप में और रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में नजर आते हैं, जबकि साई पलवी माता सीता की भूमिका में दिखाई देती हैं। हालांकि फिल्म का फोकस पूरी तरह से श्रीराम पर था लेकिन बाकी किरदारों की झलक भी कहानी का रोमांच बढ़ाती है।

रणवीर कपूर ने इस फर्स्ट लुक को साझा करते हुए कहा कि राम के किरदार को निभाना उनके लिए विनम्र अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, "मैं नहीं सोचता कि मैं राम का प्रतिनिधित्व करने आया हूँ। मैं उनसे सीखने आया हूँ।"



फिल्म 'राजा शिवाजी' का दमदार टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

रितेश देवमुख द्वारा निर्देशित और अभिनीत फिल्म राजा शिवाजी का पहला टीजर सामने आ चुका है, जो एक भव्य ऐतिहासिक कथा की झलक पेश कर रहा है। शानदार स्केल, दमदार विजुअल्स और प्रभावशाली किरदारों के साथ यह टीजर फिल्म की बड़ी और महत्वाकांक्षी सोच को दर्शा रही है, जो दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दे रही है। हालांकि टीजर में रितेश देवमुख के साथ विधा बालन की उमदादा मौजूदगी ने दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। शाही अंदाज में पारंपरिक परिधानों के साथ सोने के गहनों से लदी और क्लासिक नथ के साथ उनका किरदार बेहद गरिमामयी लग रहा है। हालांकि इस गरिमामयी किरदार

को और प्रभावशाली बना रही है उनकी प्रभावशाली आवाज और दमदार संवाद अदायगी, जो उनके किरदार को और गहराई दे रही है। शक्ति, आत्मविश्वास और गंभीरता समेटे उनका वह किरदार, उनकी बेहतरीन अभिनय क्षमता का एक और उदाहरण है। गौरतलब है कि टीजर के माध्यम से फिल्म की कहानी और किरदारों को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर पहुंच चुकी है।

इसी के साथ रितेश देवमुख का निर्देशक और मुख्य अभिनेता के रूप में दोहरी भूमिका निभाना इस प्रोजेक्ट को और खास बना रहा है। ऐसे में दर्शक बेसब्री से फिल्म रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, जिससे वह राजा शिवाजी की ऐतिहासिक कहानी को बड़े पैर पर जीवंत होते देख सकें।

रोहित शेटी फायरिंग केस: जेल में बैठे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के संपर्क में था गोलू पंडित, वीपीएन के जरिए करता था बातें

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में फिल्म निर्माता रोहित शेटी के घर पर हुई फायरिंग के मामले में अब एक बेहद चौंकाने वाला अपडेट सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस केस में गिरफ्तार आरोपी गोलू पंडित उर्फ प्रदीप शर्मा का सीधा संपर्क कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से था। पूछताछ के दौरान गोलू ने दावा किया कि वह एक मिडल मैन के जरिए वीपीएन का इस्तेमाल कर गैंग के सरगना और अमेरिका में बैठे हेरी बॉक्सर से संपर्क में था। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, गोलू पंडित पदों के पीछे रहकर पूरे नेटवर्क को संभाल रहा था। जांच एजेंसियों का कहना है कि गोलू ने कनेक्टर की भूमिका निभाई, यानी उसने शूटर और गैंग के लोगों के बीच पुल का काम किया। उसने मुख्य शूटर दीपक को गैंग से जुड़े लोगों से मिलवाया और उसे इस वादात के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि घटना के



बाद गोलू पंडित फरार हो गया था और उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए मोबाइल नंबर और लोकेशन बदल ली थी। हालांकि पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से उसकी लोकेशन ट्रैक कर ली और आखिरकार उसे आगरा से गिरफ्तार कर लिया गया। अब पुलिस उस मिडलमैन की तलाश में जुटी है, जिसके जरिए गोलू गैंग से संपर्क करता था।

जांच एजेंसियों का मानना है कि इस कड़ी तक पहुंचना बेहद जरूरी है, ताकि पूरे नेटवर्क का

खुलासा हो सके। 31 जनवरी की देर रात जूहू स्थित रोहित शेटी के घर पर अंधाधुंध फायरिंग की गई थी। हमलावरों ने इमारत की पहली मंजिल को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोशियां चलाई थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना के तुरंत बाद मुंबई पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इस हमले के पीछे उगाही का मकसद था। आरोपियों को पैसे का लालच देकर इस वादात के लिए तैयार किया गया था। मुख्य शूटर दीपक शर्मा को 15 लाख रुपये देने का वादा किया गया था, जिसमें से 50 हजार रुपये एडवांस दिए गए थे। अब तक इस मामले में 14 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें शूटर, हथियार सप्लाई करने वाले और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाले लोग शामिल हैं। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया है, जिसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

ईरान युद्ध में नेतन्याहू की रणनीति : राजनीतिक लाभ और बढ़ते जोखिम

सिडनी। बेंजामिन नेतन्याहू के लिए ईरान के साथ जारी युद्ध सैन्य कार्रवाई से कहीं अधिक एक रणनीतिक और राजनीतिक दांव बन गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष का यह दूसरा महीना है और शुरूआती सफलताओं के बावजूद अब इसकी दिशा जटिल होती जा रही है।

विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका और इजराइल के बीच रणनीतिक मतभेद इस स्थिति का एक प्रमुख कारण हैं। अमेरिका लंबे समय से फारस की खाड़ी में संतुलन बनाए रखने की नीति पर चलता रहा है, जो 1980 के कार्टर सिद्धांत पर आधारित है। इस नीति का उद्देश्य क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना और तेल आपूर्ति को सुरक्षित रखना रहा है। इसी कारण, अमेरिका ने दशकों तक ईरान को खतरा मानने के बावजूद उसके खिलाफ प्रत्यक्ष बड़े सैन्य

अभियान से परहेज किया।

इसके विपरीत, इजराइल के लिए ईरान एक प्रत्यक्ष सुरक्षा चुनौती है। ईरान तथाकथित एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस का प्रमुख हिस्सा है, जिसमें सीरिया, हिज्बुल्ला, हूती और हमास जैसे समूह शामिल हैं। ये समूह इजराइल के खिलाफ प्रतिरोध को समर्थन देते रहे हैं। अक्टूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद नेतन्याहू सरकार ने अपनी उस रणनीति को तेज किया, जिसके तहत दुश्मन की सैन्य और नेतृत्व क्षमता को लगातार कमजोर किया जाता है।

इजराइल ने इसी रणनीति के तहत हमास और हिज्बुल्ला पर कड़े हमले किए और अब वह ईरान को भी निशाना बना रहा है। इसमें शीर्ष नेताओं की हत्या और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना शामिल है। इस रणनीति से अल्पकालिक सैन्य सफलता तो मिल रही है, लेकिन

इसके मानवीय और कूटनीतिक दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

यह युद्ध नेतन्याहू के लिए घरेलू राजनीति में भी अहम है। आगामी चुनावों से पहले वह खुद को मजबूत नेता के रूप में पेश कर सकते हैं, खासकर 2023 के हमास हमलों से छवि को हुए नुकसान के बाद। यदि वह यह दिखाने में सफल रहते हैं कि उनकी सरकार ने इजराइल के दुश्मनों को कमजोर किया है, तो इससे उन्हें चुनावी लाभ मिल सकता है। हालांकि, इसके साथ कई जोखिम भी जुड़े हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजराइल के समर्थन में गिरावट आई है, खासकर अमेरिका और यूरोप में। इजराइल को मिलने वाली अमेरिकी सैन्य और आर्थिक सहायता उसकी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, और इसमें कमी आने से उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है।

विरोध



यूनाइटेड नरिंग एसोसिएशन के सदस्य गुरुवार को अमृतसर के गुरु नानक देव हॉस्पिटल में ग्रेड पे की अपनी मांग के सपोर्ट में पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए।

फिल्मों को प्रोपेगेंडा बताना गलत, शो का हाउसफुल होना दर्शकों की पसंद का सबूत : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में कई बार फिल्मों रिलीज होते ही विवादों में घिर जाती हैं। ऐसा ही कुछ डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्म फ्रेंचाइजी 'धुरंधर' के साथ हुआ। कुछ आलोचक और दर्शक इसे 'प्रोपेगेंडा फिल्म' कह रहे हैं, लेकिन वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर ने इसे नकारते हुए कहा कि असली मायने और सफलता दर्शकों की पसंद में ही छिपी है। अनुपम खेर ने फिल्म और उसके निर्माताओं की सराहना करते हुए आलोचकों को नजरअंदाज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग फिल्मों को प्रोपेगेंडा बताने में लगे रहते हैं और हम उनके दावे पर जरूरत से ज्यादा उर्जा खर्च कर रहे हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, "हमें उन लोगों के लिए 'आरआईपी' कहना चाहिए जो फिल्मों को प्रोपेगेंडा कह रहे हैं। हम उन्हें ज्यादा महत्व दे रहे हैं। वे



अप्रसंगिक हैं, अनावश्यक हैं।" उन्होंने कहा कि ऐसी आलोचनाएं फिल्म की असली कीमत या दर्शकों के अनुभव को नहीं बदल सकतीं। अनुपम खेर ने आगे जोर देकर कहा, "किसी भी फिल्म की असली सफलता दर्शकों पर निर्भर करती है, न कि मीडिया या आलोचकों की बर्नाई गई कहानियों पर। दर्शक समझदार होते हैं और अपनी पसंद खुद तय करते हैं।" उन्होंने कहा कि फिल्म 'धुरंधर' में कभी-कभी विवाद और बहस को असली मुद्दे से ज्यादा

बढ़ा दिया जाता है। मेरा मानना है कि अगर हम फिल्में बनाने वाले कलाकारों और उनकी मेहनत की सराहना करें, तो यह बेहतर होगा। फिल्में दर्शकों के लिए बनाई जाती हैं, और अगर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल होती हैं, तो इसका मतलब यही है कि जनता ने इसे पसंद किया। अनुपम खेर ने कहा, "फिल्में दर्शकों के बीच भावनाओं और अनुभवों को भी साझा करती हैं। इसलिए फिल्मों की आलोचना करने वालों पर ज्यादा ध्यान देने के बजाय हमें उनकी उपलब्धियों और दर्शकों की प्रतिक्रिया को देखना चाहिए। आखिरकार, असली विजेता वही है जिसे दर्शक पसंद करते हैं। अगर शो हाउसफुल हो जाता है, तो यह दर्शकों की पसंद का सबूत है।" फिल्म 'धुरंधर' के पहले पार्ट को दर्शकों से काफी अच्छा रिवॉल्यूशन मिला था। इसके बाद इसका सीक्वल 'धुरंधर 2: द रिवेज' 19 मार्च को रिलीज हुआ।

रोड शो



कोलकाता में गुरुवार को हाजरा क्रॉसिंग पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा उम्मीदवारों के सपोर्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रोड शो के दौरान कलाकार परफॉर्म करते हुए।

सुबह सही तो सब सही : सामंथा रूथ प्रभु

नई दिल्ली/एजेन्सी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी 'पावर मॉर्निंग' रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। सामंथा ने अपने इंटरव्यू पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह

की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ। उन्होंने इसे 'पावर मॉर्निंग' नाम दिया। सामंथा ने कहा, "आगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है।" वीडियो में सामंथा ने कहा है, "कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो

सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।" सामंथा ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन

अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस को बढ़ा जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है।" अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए। इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा,

"उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी स्मिंकर और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है।" इस वीडियो के क्लैपबैक में सामंथा ने लिखा, इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।"

तप से हटे कर्मों का आवरण, तब ही आत्मा बनेगी सिद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपाँक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिधरजी म.सा. के पावन साभिध्य में गुरुवार को नवपद के अंतिम पद 'तप पद' की आराधना अत्यंत उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर आचार्यश्री के शिष्यरत्न मुनि जिन आगमविजयजी म.सा. ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए गूढ़ आध्यात्मिक विषयों को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार

आत्मा के संसार में भटकने का मूल कारण कर्म हैं। जब तक आत्मा के साथ कर्मों का संयोग बना रहता है, तब तक वह जन्म-मरण के चक्र में भ्रमण करती रहती है। यदि इस परिभ्रमण से मुक्त होना है, तो आत्मा पर पड़े कर्मों के आवरण को हटाना अनिवार्य है। कर्मों का यह संयोग टूटते ही आत्मा सिद्ध पद को प्राप्त कर सकती है। मुनिश्री ने सामान्य आत्मा और भगवान महावीर की आत्मा के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारी आत्मा के गुण कर्मों के आवरण के कारण प्रकट नहीं हो पाते, जबकि भगवान महावीर की आत्मा में यह आवरण समाप्त हो चुका था। जैसे ही कर्मों



का पर्दा हटाना, वैसे ही आत्मा के दिव्य गुण स्वतः प्रकट हो जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि कर्मसत्ता हमारे गुणों को ढकने का कार्य करती है। यदि हम कर्म पुत्रों को दूर कर दें, तो आत्मा अपने शुद्ध स्वरूप में स्थापित होकर सिद्ध पद को प्राप्त कर सकती है। मोक्ष प्राप्ति के लिए इन बातों का निश्चय

आवश्यक है। पहला, हमें मोक्ष जाने का भाव है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि एक व्यक्ति, जिसको मोक्ष पसंद ही नहीं हो, वह भवानंद अवस्था का जीव होता है। दूसरा, जिसको मोक्ष के प्रति न राग हो, न द्वेष और तीसरा एक मुक्ति राग यानी जिसको मोक्ष के प्रति राग हो। तप की शुद्धता के लिए उन्होंने चार प्रमुख आधार बताए पहला, तप में ब्रह्मचर्य अर्थात् आत्मगुणों में रमणता होनी चाहिए, जिसमें इंद्रिय विषयों के प्रति वैराग्य और समता भाव शामिल है। दूसरा, तप में भगवान की आज्ञा अर्थात् जिनाज्ञा का पालन होना चाहिए। तीसरा, तप में कषायों का त्याग होना चाहिए।

चौथा, तप में किसी प्रकार का आडंबर या दिखावा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि तप शुद्ध नहीं है, तो निर्जरा संभव नहीं और निर्जरा के बिना मोक्ष की प्राप्ति भी असंभव है। तप के साथ यदि माया कषय जुड़ जाए, तो उसका फल नहीं मिल सकता। इसलिए तप के साथ जिनाज्ञा का अनुबंध अनिवार्य है और तप के पश्चात भी आराधना निरंतर जारी रहनी चाहिए। अंत में मुनिश्री ने कहा कि प्रत्येक धर्मक्रिया में जिनाज्ञा का अनुबंध आवश्यक है, तभी वह क्रिया सार्थक बनती है और आत्मा को मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर करती है।



शिक्षाविद और समाजसेवी जयगोपाल गारोदिया को श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जयगोपाल गारोदिया ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने 2 अप्रैल को अपने संस्थापक अध्यक्ष जयगोपाल गारोदिया की सोलहवीं वर्षगांठ को 'संस्थापक दिवस' के रूप में मनाया। इस शुभ अवसर के उपलक्ष्य में, अन्ना नगर, कोलाथुर, शक्तिवेल नगर, परुथिपट्ट और अन्य स्थानों पर स्थित जयगोपाल गारोदिया समूह के विद्यालयों में विशेष सभाएं आयोजित की गईं। प्रबंध न्यासी अशोक केडिया, न्यासी मेघ्यप्पन, हितेश कानोडिया, प्रधानाचार्यों,

विद्यार्थियों और विद्यालयों द्वारा श्री जयगोपाल गारोदिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। गरीबों में अन्नदान किया गया। प्रबंध न्यासी और अन्य न्यासियों ने संस्थापक-अध्यक्ष की सेवाओं को याद किया और विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे कड़ी मेहनत करें, जीवन में सफलता प्राप्त करें, अपने चुने हुए पेशे में पूरी लगन से योगदान दें और अपने माता-पिता, संस्थान और शिक्षकों का नाम रोशन करें। उन्होंने विद्यार्थियों से विभिन्न स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करने के अवसर का सदुपयोग करने का आग्रह किया। इसी तरह के कार्यक्रम तांबरम, अवाडी, चूलाईपेट, सेदापेट, नंगनलूर, विरुगमबक्कम, तिरुवाडियूर, मनाली, माधवरम, पोनेरी, मदुरै और बेंगलूर में स्थित श्री जयगोपाल गारोदिया द्वारा प्रायोजित सरकारी स्कूलों और प्रबंधन स्कूलों में भी आयोजित किए गए थे। अपने जीवनकाल में गारोदिया ने महिलाओं की शिक्षा पर विशेष बल दिया। उन्होंने कॉलेज के छात्रों के लिए निःशुल्क पुस्तक बैंक और छात्रवृत्ति केंद्र जैसे विशेष योजनाएं शुरू कीं, जिनसे लाखों छात्रों को लाभ हुआ। वे पशु प्रेमी थे और उन्होंने बेजुबान जानवरों के संरक्षण के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने कई 'क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ?' पुलिस बूथ भी प्रायोजित किए थे।



नवपद ओली तप के सम्पूर्ण लाभार्थी का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां श्री साँचा सुमतिनाथ राजेंद्रसूरी जैन श्वेताम्बर दूरत के तत्वावधान में स्थानीय यतीन्द्र भवन में आयोजित शाश्वत नवपद ओली आराधना तप का धार्मिक माहौल में समापन हुआ।

इस अवसर पर तप के लाभार्थी परिवार का सम्मान कर श्रद्धा और भक्ति का भाव प्रकट किया गया। संघ की आज्ञा से मंगलवा (राजस्थान) निवासी मीठालाल नेनमल संखलेचा परिवार को नौ दिवसीय आयंबिल की ओली आराधना तप करने का लाभ प्राप्त हुआ। ओली तप के समापन से पूर्व आयोजित कार्यक्रम में मदुरै

प्रवासी संगठन संस्था द्वारा लाभार्थी परिवार के मुखिया एवं साँचा सुमतिनाथ संघ के ट्रस्टी मीठालाल संखलेचा का सम्मान किया गया। इस दौरान उपस्थित समाजजनों ने तपस्वी परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके त्याग, तपस्या और धार्मिक समर्पण की सराहना की।



'मूक प्राणी की पुकार' नामक कार्यक्रम में लगाई जीवदया की गुहार

बेंगलूर/दक्षिण भारत। 'कृपा विधिग एनिमल्स' केंगरी के सदस्यों ने मंगलवार को भगवान महावीर जन्मकल्याणक पर्व के उपलक्ष्य में 'मूक प्राणी की पुकार' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें संस्था के मुख्य संयोजक अरविंद डोसी ने सभी से जीवदया के लिए आह्वान करते हुए बताया कि संस्था गत 20 वर्षों से बीमार कुत्ते, बिन्नी, आदि पशुओं के सेवा में कार्यरत है। यह 600 जीवों का सेवा कार्य

दानदाताओं के सहयोग से ही चल रहा है। संयोजक कुशल साकरिया ने दानदाताओं, सेवाभावी सहयोगियों से निवेदन किया कि वे स्वेच्छा से मूक प्राणियों की पुकार सुन उनकी सेवा के लिए आएं आएं। चम्पालाल कोठारी व कैलाश संखलेचा ने सभी से जीवदया के लिए सहयोग करने का निवेदन करते हुए दानदाताओं के प्रति आभार जताया।



महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर ब्यावर संघ के किए अनेक कार्यक्रम

बेंगलूर/दक्षिण भारत। स्थानीय ब्यावर संघ के तत्वावधान में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार को फ्रीडम पार्क में राजेंद्रकुमार अरिहंतकुमार रेवासनी परिवार के सौजन्य से श्रद्धालुओं को नींबू शर्बत वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, संयोजक सुरेन्द्र भन्साली, उपाध्यक्ष बहादुर कांकरिया, सुशीला कांकरिया आदि सदस्यों ने सेवा दी। इसके अलावा महावीर जन्मोत्सव पर जरूरतमंद साधर्मिक भाइयों को चिकित्सा में सहयोग के साथ जरूरतमंद परिवारों

को राशन प्रदान करने की योजना भी चलाई गई। ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा बरघोडे में अगवानी करते हुए बाइक रैली निकाली। ब्यावर युवा लेडीज विंग द्वारा परमालमा महावीर के शासन की सोलह सतियों के बारे में एक झांकी सजाई गई। संघ के महामंत्री रूपचंद कुमट, चैयारमैन महेंद्र भन्साली, कोषाध्यक्ष दिनेश लोडा, सहमंत्री विनय राठौड़, संगठन मंत्री किशन सोलीवाल, ब्यावर संघ युवा शाखा के अध्यक्ष कुलदीप छाजेड, ब्यावर युवा लेडीज विंग के मोनिका कुमट, जिया हिंगड आदि ने विभिन्न कार्यों में सहयोग दिया।



जीवन में आगत प्रत्येक दुःख का कारण कर्म है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एमसी रोड स्थित जैन भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म. सा. ने गुरुवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में आगत प्रत्येक दुःख का कारण कर्म है। कर्म का ही परिणाम है, दुःख पीड़ा को समता से सहन करोगे तो कर्म का हिसाब किताब जल्दी पूरा हो जाएगा दुःख से विचलित होकर रोने लगोगे तो कर्म और हावी हो जाएगा। दुःख को स्वीकार कर लेने से आधा हो जाता है प्रतिकार करने से दुःखानु हो जाता है। जीवन में कोई पीड़ा परेशानी आये तो उसका निवारण का प्रयास करो उसकी मौलिकता को समझो। बाहरी

निमित्त दुःख के कारण नहीं बल्कि दुःखों से प्रभावित मन व्यक्ति को दुःखी करता है। मुनिश्री ने कहा कि जीवन को ऐसे जीयें जैसे जीवन युद्ध का मैदान हो। प्रत्येक पल उस आत्मा का स्मरण रहे जिसके कारण हमारी कीमत और कदर है। एक पल के लिए भी बेहोशी को आने का अवसर न दें। क्योंकि काल झूर और निरर्थक है। समय को जरा भी परवाह नहीं है यह निरंतर बहता चला जाता है। वापस लौटकर नहीं आता। इसके भरोसे कभी नहीं बैठना चाहिए कि आज नहीं कल परसों कर लेंगे। किसी भी शुभ कार्य को कल पर स्थगित मत करना क्योंकि जिसके भरोसे स्थगित कर रहे हो उस काल को जरा भी दया नहीं है। समय की धारा को हमसे कोई मतलब नहीं। समय का सदुपयोग

करना या दुरुपयोग करना व्यक्ति के हाथ में है। एक तिनका नदी का उपयोग करके सार भी पहुंच सकता है, किनारे पर भी अटक सकता है, डूब भी सकता है। समय की धारा निरंतर प्रवाहमान है आप उसका कोई उपयोग कर सकते हैं। धर्म आराधना को कल पर नहीं टालना चाहिए। कल कभी नहीं आता है कल के इंतजार में एक दिन द्वार पर मोत खड़ी हो जाती है, वह क्षण भर का अवसर नहीं देती है और तब हम पछताते हैं। वह सब जो स्थगित किया हुआ जीवन है, सब आंख के सामने खड़ा हो जाता है। अंत में पश्चाताप के सिवाय कुछ नहीं बचता। मंत्री सन्तोष बोहरा ने बताया कि शुक्रवार को सुबह प्रवचन एमसी रोड जैन भवन में ही होगा।



आऊवा महिलाओं का 'म्हारी संस्कृति-म्हारे राजस्थान' कार्यक्रम कल

बेंगलूर/दक्षिण भारत। शहर के आऊवा जैन महिला मंडल द्वारा राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, परंपरा एवं लोकजीवन को सजीव रूप में प्रस्तुत करने हेतु 'म्हारी संस्कृति-म्हारे राजस्थान' नामक कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 2 बजे से बीबीएल जैन विद्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन हेतु एक बैठक का आयोजन हुआ।

मंडल की अध्यक्ष मंजु चंडालिया ने बताया कि यह आयोजन समाज की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने एवं नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम की संयोजिका विन्नु रायसोनी, मंत्री हर्षा चोपड़ा, उपाध्यक्ष मधु पावेया, सहमंत्री सविता पी. पोरवाल, कोषाध्यक्ष राखी सुंदेश मुथा सहित अनेक सदस्यार्य बैठक में शामिल हुईं।

गोसेवा



गुरुवार को चेन्नई के आवाडी स्थित श्रीसन्मति गौशाला में चेत्र पूर्णिमा एवं हनुमान जयंती के मौके पर मदुरैवायल जैन संघ के सदस्यों ने गायों को हरा चारा, तरबूज, ककड़ी आदि दिए। संघ के पवन ने सभी का स्वागत एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।



ग्रेजुएशन डे का आयोजन

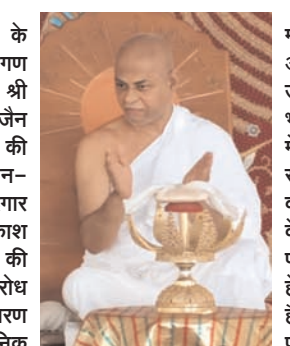
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहकारपेट में स्थित श्री बादलचंद सायरचंद चोरडिया जैन विद्यालय में ग्रेजुएशन-डे 2 अप्रैल को मनाया

गया था। इसके मुख्य अतिथि जैन मिशन स्कूल के प्रधानाचार्य श्रीमती जयलक्ष्मी थीं। इसमें एलकेजी और यूकेजी के छात्र छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सभी को भेंट और प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा भाषण दिया गया। विद्यालय के पत्राचार एस अजय कुमार चोरडिया, सचिव ए सुमेरचंद चोरडिया, प्रधानाध्यापिका श्रीमती मालिन, अभिभावकों और शिक्षकगणों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

आंतरिक शुद्धि की वैज्ञानिक प्रक्रिया है तपस्या : आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

बेंगलूर/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर स्थित धर्मनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीधरजी ने कहा कि जैन दर्शन में आत्मिक विकास हेतु तप, धर्म की अनेकी अवधारणा दर्शाई गई है जो तन-मन और आंतरिक शुद्धि में भी मददगार साबित होती है। तप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तप की वास्तविक परिभाषा है इच्छाओं का निरोध करना क्योंकि जीवन में दुःख का कोई कारण है तो वह है अज्ञान इच्छा। तप एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है और इच्छाओं को नियंत्रित करने हेतु तप के 12 प्रकार बताए गए हैं। तप की परिभाषा सिर्फ भूख रहने तक सीमित नहीं है। जिन-जिन माध्यमों से इच्छाओं पर अंकुश लाया जा सकता है उन तमाम प्रक्रियाओं को तप में समाविष्ट किया गया है। बाह्य रूप से कठिन लगने वाला तप वास्तव में व्यक्ति को सुखी बनाने में समर्थ है। इच्छा चैत्र



मास में आने वाली नवपद ओली की आराधना के वैज्ञानिक पहलू के बारे में उन्होंने कहा कि किसी भी क्रिया का प्रण भाव होता है और भावों को जागृत करने में अनुकूल द्रव्य, क्षेत्र और काल का सीधा संबंध है जो साधक के भावों को प्रभावित करते हैं। इनमें संधिकाल यानी दो ऋतुओं के बीच का काल है चैत्र मास। ऋतु परिवर्तन में तन, मन को साधना में जोड़ने हेतु आयंबिल तप पर विशेष भार दिया गया है जिसमें सात्विक आहार द्वारा शरीर को पूरा पोषण मिलने पर भी मन में विकार उत्पन्न करने वाले किसी भी प्रकार के तामसी द्रव्यों को स्थान नहीं दिया गया है। प्रवचन के पश्चात संघ के पदाधिकारियों ने चैत्र मास की नवपद ओली की आराधना में साभिध्य प्रदान करने के लिए आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और संघ में निर्धारित आचार्यश्री के आगामी चातुर्मास को ज्ञानलक्षी बनाने हेतु मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।



सेवाकार्य

बेंगलूर/दक्षिण भारत। अलसूर स्थित प्राचीन सोमेश्वर मंदिर के भगवान सोमेश्वर के वार्षिक रथोत्सव के आयोजन में क्षेत्र के प्रवासी जैन समुदाय ने बुधवार को भक्तों की सुविधा के लिए भोजन, छाछ, शीतल पेय आदि की व्यवस्था की। श्रद्धालुओं ने रथ को रस्से से खींचने का पुण्य लाभ लिया। सुसज्जित रथ बाजार स्ट्रीट और कार स्ट्रीट होते हुए अपने गंतव्य पर पहुंचा। परंपरासूचर भक्तों द्वारा रथ पर केले, कालीमिर्च और नमक छछाला जाता है और परिवार की समृद्धि की कामना की जाती है।